राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 05 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-45 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वक्फ संशोधन बिल रात 2:32 बजे राज्यसभा में भी पारित

-इससे नहीं होगा किसी मुसलमान को कोई नुक्सान : अल्पसंख्यक कार्यमंत्री

नई दिल्ली।

वक्फ संशोधन बिल देर रात संसद में पारित हो गया है। लोकसभा में पारित होने के बाद वक्फ संशोधन बिल पर राज्यसभा में चर्चा पूरी होने के बाद देर रात करीब 2 बजे वोटिंग कराई गई। इस दौरान सत्ता पक्ष बिल पास कराने में सफल रहा।

राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 मत पड़े। इस प्रकार उच्च सदन में 12 घंटे से ज्यादा चली चर्चा के बाद रात 2.32 बजे राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पारित हो गया। सदन में सत्ता पक्ष ने बिल को तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति से इतर राष्ट्रीय हित में बढ़ाया गया एक अहम कदम बताया। वहीं दूसरी तरफ विपक्ष ने इस बिल को संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है।

वक्फ संशोधन बिल पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों में अनेक अवसर ऐसे आए जबकि गहमागहमी की स्थिति भी बनी। यहां लोकसभा में एक दिन पहले ही पास हुए बिल को अगले ही दिन राज्यसभा में भी चर्चा के बाद पारित करवा लिया गया। इससे पहले राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे अल्पसंख्यक कार्यमंत्री ने कहा कि यह बिल ऐतिहासिक है और इससे किसी एक मुसलमान को कोई नुकसान नहीं होने वाला। इससे तो करोड़ों गरीब मुसलमानों को लाभ होने वाला है। रिजिजू ने कहा कि बिल पारित होने के बाद आप सब देखेंगे कि कैसे लोग इसका स्वागत करते हैं।

संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने पर पीएम मोदी ने कहा....समावेशी विकास की दिशा में अहम कदम

नई दिल्ली। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी वक्फ संशोधन विधेयक पारित हो गया। इस विधेयक के दोनों सदनों से पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की दिशा में एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस विधेयक से विशेष रूप से उन लोगों को मदद मिलेगी जो लंबे समय से हाशिये पर हैं और जिन्हें आवाज़ और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि दशकों से वक्फ व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव था, जिससे खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों और पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचता था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संसद द्वारा पारित यह कानून पारदर्शिता को बढ़ाएगा और लोगों के अधिकारों की रक्षा करेगा। उन्होंने इस पर जोर दिया कि अब देश एक ऐसे युग में प्रवेश करेगा जहां ढांचा अधिक आधुनिक और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील होगा।

अनुराग ने किया राहुल पर पलटवार, कौन नेता था जो चीन के साथ सूप पी रहा था

वह कौन सी संस्था है जिसने चीनी अधिकारियों से पैसे लिए

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार की आलोचना कर दावा किया कि चीन ने 4,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा किया है। राहुल गांधी ने अमेरिका की ओर से लगाए गए आयात शुल्क के मुद्दे पर भी केंद्र से जवाब मांगा। राहुल गांधी ने कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तबाह कर देगा। दरअसल लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह हमारी जमीन के बारे में क्या कर रही है और इन शुल्कों के बारे में जो हमारे सहयोगी ने देश ने लगाए हैं। राहुल के आरोप पर बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने पलटवार कर जवाब दिया। बीजेपी नेता ठाकुर ने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में चीन को एक इंच भी जमीन नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में ही चीन ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा किया था। बीजेपी सांसद ठाकुर ने पूछा कि किसके राज में चीन ने अक्साई चिन इलाके पर कब्जा किया। वे हिंदी-चीनी भाई-भाई की बात करते रहे और हमारी पीठ में छुरा घोंप दिया। डोकलाम के समय चीनी अधिकारियों के साथ चीनी सूप पीने वाला कौन नेता था और सेना के लोगों के साथ खड़ा नहीं हुआ। वह कौन सी संस्था है जिसने चीनी अधिकारियों से पैसे लिए। इस सवाल का जवाब नहीं दिया गया कि राजीव गांधी फाउंडेशन ने वह पैसे लिए थे या नहीं, किस लिए गए थे?

नीट मामले में केंद्र ने दिया स्टालिन सरकार को झटका, विधेयक को खारिज किया

सीएम स्टालिन ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली । मेडिकल कोर्स में दाखिल के लिए नीट की परीक्षा का विरोध करने वाली तमिलनाडु की सरकार को बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने मेडिकल में प्रवेश के लिए नीट की परीक्षा से छूट देने और 12वीं के अंकों के आधार पर प्रवेश देने के लिए विधानसभा में पास किए गए विधेयक को मोदी सरकार ने खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बताया कि 2021 और 2022 में दो बार बिल को विधानसभा में पास किया गया। लंबे समय से बिल केंद्र सरकार के पास लंबित था और अब बिल को खारिज कर दिया गया है। बीते साल जून में विधानसभा में एक प्रस्ताव भी पास किया गया था जिसमें कहा गया था कि केंद्र को नीट की परीक्षा खत्म कर देनी चाहिए और स्कूल के अंकों के हिसाब से मेडिकल में प्रवेश देना चाहिए। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए सीएम स्टालिन ने कहा हि देश संघवाद के काले दिनों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि चाहे हिंदी को थोपने का मामला हो या फिर परिसीमन का, केंद्र हमारी नहीं सुन रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने सारे जरूरी तर्क दिए थे इसके बाद भी केंद्र ने एक नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने मामले में आगे के कदम पर विचार करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बताया जा रहा है कि 9 अप्रैल को बैठक हो सकती है। स्टालिन ने कहा कि केंद्र ने भले ही तमिलनाडु सरकार के निवेदन को ना माना हो लेकिन हम कानूनी सलाह लेकर इस चुनौती से निपटने की तैयारी कर रहे है। तमिलनाडु सरकार का कहना है कि मौजूदा सिस्टम से केवल अमीरों को फायदा होता है। वे महंगी कोचिंग में अपने बच्चों को पढ़ा पाते हैं। स्टालिन का कहना था कि अगर स्कूल के मार्क्स के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा, तब गरीब बच्चों को भी फायदा मिलेगा।

वक्फ बिल को लेकर कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाएगी

-खड़गे ने कहा- जिसकी लाठी, उसकी भैंस की स्थिति उचित नहीं

नई दिल्ली।

लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी वक्फ संशोधन बिल 2025 पास हो गया लेकिन कांग्रेस को यह मंजूर नहीं है। उसका कहना है कि वह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी और इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती देगी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है और हम मोदी सरकार द्वारा भारतीय संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रथाओं पर किए गए सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कांग्रेस नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रही है। इसके अलावा कांग्रेस ने 2019 में आरटीआई एक्ट, 2005 में किए गए संशोधनों को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। कांग्रेस ने चुनाव नियमावली 2024 में किए गए संशोधनों की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 1991 के पूजा स्थल अधिनियम की भावना और पत्र को बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप किया है। इस विधेयक को लोकसभा ने गुरुवार को पारित किया था। इसके बाद इसे राज्यसभा से भी मंजूर मिल गई। इससे पहले राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वक्फ विधेयक को मुसलमानों के खिलाफ बताते हुए आरोप लगाया कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों को तबाह करने के लिए लाया गया है। खड़गे ने कहा कि देश में ऐसा माहौल है कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों को तंग करने के लिए लाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह किया कि वह इस विधेयक को प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाएं और सरकार इसे वापस ले।

खड़गे ने कहा कि जिसकी लाठी, उसकी भैंस की स्थिति उचित नहीं है और यह किसी के लिए ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह दान से संबंधित विधेयक है लेकिन इसके प्रावधानों के जरिये अल्पसंख्यकों के हकों को छीनने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पसमांदा और महिलाओं के कल्याण की बात तो करती है, लेकिन अल्पसंख्यक विभाग के आवंटन में हर साल कटौती कर रही है।

अभिनेता मनोज कुमार के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर, शनिवार को किया जाएगा अंतिम संस्कार

मुंबई।

हिन्दी सिनेमा के मशहूर अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया कि वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। इलाज के लिए उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार-शुक्रवार की रात 3:30 बजे अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। कुणाल ने मनोज कुमार के सभी फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने कहा कि फैंस की दुआओं का असर है कि पिताजी का शांति से स्वर्गवास हुआ है। उन्होंने बताया कि मुंबई में शनिवार को सुबह 11 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मनोज कुमार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सिनेमा के दिग्गजों द्वारा संवेदना व्यक्त करने पर कुणाल ने कहा कि मैं पीएम मोदी का आभार जताना चाहता हूं कि उन्होंने अपना प्रेम दिखाया। मैं पिताजी के प्रति प्यार जताने के लिए सभी का आभारी हूं। मनोज कुमार की फिल्मों के बारे में कुणाल ने कहा कि पिताजी वास्तविक जीवन में सभी के साथ कनेक्ट थे। उन्होंने उपकार, रोटी कपड़ा और मकान, पूरब पश्चिम जैसी फिल्में दीं। यह फिल्में उस दौर में भी प्रासंगिक थीं और आगे भी रहेंगी। अभिनेता मनोज कुमार के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर है। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने इसे फिल्म के लिए बड़ी क्षति बताया तो गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपने गीतों की प्रेरणा बताया। वहीं, निर्माता-निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उनके जैसे देशभक्ति कलाकार मरा नहीं करते।

कांग्रेस ने मनमोहन सिंह के नाम पर शुरु किया फेलो प्रोग्राम, 50 पेशेवरों का चयन करेगी पार्टी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह के नाम पर शुक्रवार को फेलो प्रोग्राम की शुरुआत की। इसके तहत देश भर से 50 पेशेवरों का चयन होगा और उन्हें पार्टी के भीतर प्रमुख नेताओं के द्वारा प्रशिक्षित करने के बाद उन्हें पार्टी से जुड़े कार्यों में लगाया जाएगा। पार्टी के विभाग 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस' ने कार्यक्रम घोषणा की। विभाग के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया ''डॉ. सिंह फेलो प्रोग्राम हर साल देश भर से 50 पेशेवरों की पहचान कर उनका चयन करेगा। ये वे पेशेवर हैं, जो अपने करियर के मध्य स्तर में हैं और जिन्होंने पेशेवर दुनिया में करीब दस साल बिताए हैं।''

उन्होंने बताया, इन 50 लोगों को पार्टी के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा बहुत गहन चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाएगा। एक बार चुने जाने के बाद, उन्हें कांग्रेस पार्टी के उन वरिष्ठ नेताओं द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा जो स्वयं पेशेवर पृष्ठभूमि से आए हैं। उन्होंने बताया कि ''यह एक प्रवेश-स्तर का इंटर्नशिप कार्यक्रम नहीं है, न ही इसके अंत में केवल एक प्रमाणपत्र के साथ यह समयबद्ध है। यह सार्वजनिक सेवा के गंभीर इरादे वाले लोगों के लिए एक गंभीर कार्यक्रम है। पूर्व पीएम सिंह का पिछले साल 26 दिसंबर को निधन हो गया था।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, पार्टी के झारखंड के प्रभारी तथा अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्या विभाग के प्रमुख के राजू तथा प्रोफेशनल कांग्रेस के चेयरमैन चक्रवर्ती ने कहा कि डॉ. सिंह के नाम पर 'फेलो कार्यक्रम' शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत हर साल राजनीति में आने के इच्छुक उन 50 मिड करियर प्रोफेशनल्स को शामिल किया जाएगा जो समर्पित होकर राजनीति में आकर समाज की बेहतरी के लिए अपने ज्ञान का योगदान देना चाहते हैं।

मथुरा की शाही ईदगाह को मस्जिद के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते

हिंदू पक्ष की दलील ने मामले में ला दिया रोचक मोड़

मथुरा ।

मथुरा की शाही ईदगाह को मस्जिद के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। इसकारण यह भारतीय पुरातत्व विभाग के तहत संरक्षित स्थान है। हिंदू पक्ष ने इसकी दलील दी है, जिसके बाद मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस तरह मथुरा के शाही ईदगाह और कृष्ण जन्मभूमि विवाद ने रोचक मोड़ ले लिया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह इसका परीक्षण करेगी कि आखिर इस दावे की क्या वैधता है। दरअसल हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष की दलील के बाद इस मामले में एएसआई को भी पार्टी बनाने को कहा था। मुस्लिम पक्ष की याचिका सुनते हुए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने हिंदू पक्ष को नोटिस जारी किया है। मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जहां तक यह सवाल है कि क्या एएसआई संरक्षित स्थान का इस्तेमाल मस्जिद के तौर पर हो सकता है। मामले में कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया जा सकता। आपने इस बारे में हाई कोर्ट को भी कुछ नहीं कहा। मामले को मेरिट के आधार पर ही सुना जाएगा।

यही नहीं अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष को अपनी याचिका में संशोधन करने की परमिशन दी है, जो पहली नजर में सही फैसला लगता है। हिंदू पक्ष ने हाई कोर्ट में कहा था कि एएसआई द्वारा संरक्षित किसी स्मारक को मस्जिद के तौर पर प्रयोग नहीं किया जा सकता।

ममता को तगड़ा झटका, कोलकाता हाईकोर्ट ने अंजनी पुत्र सेना को रैली निकलने की परमिशन दी

कोलकाता ।

कोलकाता हाईकोर्ट से शुक्रवार को ममता बनर्जी सरकार को तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने हिंदू संगठन अंजनी पुत्र सेना को हावड़ा में प्रस्तावित रूट पर रामनवमी की रैली निकालने की अनुमति दे दी है। शुरुआत में ममता सरकार ने रैली पर पिछले अदालती आदेशों के उल्लंघन होने का हवाला देकर आपत्ति जाहिर की थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई कर छह अप्रैल को होने वाली रामनवमी की रैली निकालने की इजाजत दे दी। हालांकि, कोर्ट ने हिंदू संगठन को शांतिपूर्ण रैली सुनिश्चित करने के लिए कुछ सख्त शर्तें लगा दी हैं। रामनवमी की रैली नरसिंह मंदिर से शुरू होकर उसके बाद जीटी रोड से होते हुए हावड़ा मैदान में खत्म होती है। यह हर साल रामनवमी के मौके पर होने वाला धार्मिक कार्यक्रम है। कोर्ट ने कुछ शर्तें के साथ कहा है कि रैली पूरी तरह से शांतिपूर्ण होनी चाहिए। इसमें कोई भी व्यक्ति हथियार लेकर नहीं जाएगा। झंडे और प्लास्टिक का गदा लेकर जाया जा सकता है। रैली के आगे और पीछे पुलिस की गाड़ियां तैनात रह सकती हैं। सुबह साढ़े आठ बजे से लेकर दोपहर 12 बजे के बीच रैली को पूरा करना होगा। इसमें 500 लोग शामिल हो सकते हैं, जिन्हें अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड जमा करना होगा। दरअसल बंगाल पुलिस ने अंजनी पुत्र सेना को 6 अप्रैल को उनके अनुरोधित मार्ग पर शोभा यात्रा आयोजित करने की अनुमति देने से इंकार किया था। सुरक्षा चिंताओं और अदालती आदेशों के पिछले उल्लंघन का हवाला देकर पुलिस ने इसके बजाय दो वैकल्पिक मार्ग सुझाए थे। इसके बाद संगठन ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

जजों की नियुक्ति पर फिर कानून लाने के मुद्दे पर सरकार ने साधी चुप्पी

नई दिल्ली।

जजों की नियुक्ति के लिए वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) विधेयक फिर से लाने के मुद्दे पर सरकार ने चुप्पी साध ली है। कानून मंत्रालय से एक प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार जजों की नियुक्ति के लिए वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने के लिए एनजेएसी विधेयक फिर से लाने पर विचार करेगी? इस सवाल के लिखित जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि अब निरस्त हो चुके कानून की क्या विशेषताएं थीं, लेकिन वह इस बात पर चुप रहे कि क्या सरकार एनजेएसी विधेयक लाने पर विचार करेगी। अपने लिखित जवाब में मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों के जजों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को अधिक व्यापक, पारदर्शी, जवाबदेह नियुक्ति तंत्र से बदलने और प्रणाली में ज्यादा निष्पक्षता लाने के लिए, संविधान अधिनियम, 2014 और राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम, 2014 लाए गए थे। उन्होंने कहा कि ये कानून 13 अप्रैल, 2015 को लागू हुए और दोनों कानूनों को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिसने बाद में उन्हें असंवैधानिक और अमान्य घोषित कर दिया। कानून मंत्री ने बताया कि कानूनों के लागू होने से पहले से चल रही मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली को प्रभावी घोषित कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम प्रक्रियाओं के ज्ञापन को अद्यतन करने के लिए किस तरह संपर्क में हैं। यह ज्ञापन वह नियमावली है जो सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय के जजों की नियुक्ति, पदोन्नति और स्थानांतरण के बारे में मार्गदर्शन देती है। एनजेएसी हाल में फिर चर्चा में आया जब दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के आधिकारिक आवास पर आग लगने के बाद कथित तौर पर नोटों की आधी जली हुई गड्डियां मिली थीं।

कोर्ट के फैसले के बाद सीएम दें इस्तीफा, उन्हें पद पर रहने का अधिकार नहीं

बीजेपी बोली-ममता शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल जाने वाली दूसरी सीएम बनेंगी

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।

कलकत्ता हाइकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के करीब 26 हजार शिक्षकों और गैर शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के आदेश जारी किए हैं इसके बाद बीजेपी ने सीएम ममता के इस्तीफे की मांग की है। बीजेपी ने कहा है कि कोर्ट के फैसले के बाद ममता को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सीएम ममता बनर्जी को लेकर दावा किया कि हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के बाद ममता बनर्जी शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में जेल जाने वाली दूसरी सीएम बनेंगी।

पार्टी के प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने भी ममता पर हमला करते हुए कहा कि ममता को अब सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पद को छोड़ देना चाहिए। पात्रा ने दावा किया कि इस मामले वह ममता बनर्जी निश्चित रूप से जेल जाएंगी।

मजूमदार ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि करीब 26 हजार लोगों की जिंदगी पर बात है।

इनमें से करीब 20 हजार लोग ऐसे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर चयन लिया है, जबकि करीब 6 हजार लोगों का चयन टीएमसी नेताओं द्वारा किए गए घोटाले की वजह से हुआ है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि इस भर्ती परीक्षा की वजह से योग्य उम्मीदवारों को टीएमसी या फिर मुख्यमंत्री राहत कोष से वेतन का भुगतान किया जाए क्योंकि किसी और के पाप की सजा इन निर्दोषों को मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद ममता की विश्वसनीयता खत्म हो गई है। ममता के कोर्ट के आदेश को न मानने की बात को आड़े हाथों लेते हुए पात्रा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को उन पर अदालत की अवमानना का आरोप लगाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक बेमिशाल देश भक्त अदाकार भला कैसे बिसरेगा

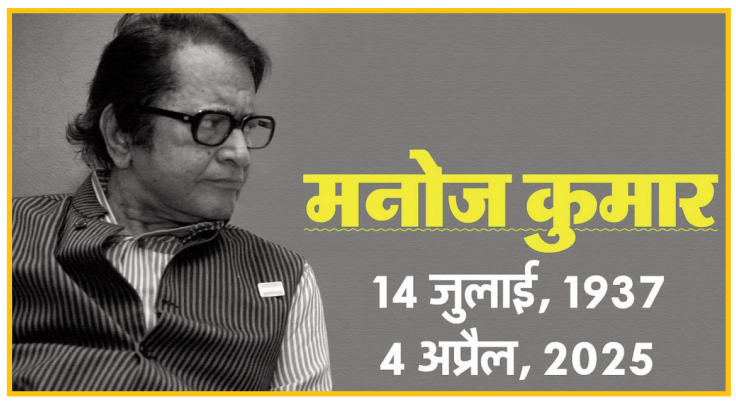

अपने संघर्ष के दिनों में दुर्घटनावश अपने आदर्शों में से एक अशोक कुमार यानी दादा मुनि की फिल्म का एक सीन लिखने का मौका मिला। हुआ यह कि प्रोड्यूसर रोशन लाल मल्होत्रा फिल्म ष्जमीन और आसमानष् बना रहे थे। इसके लिए लिखा गया सीन उन्हें पसंद नहीं आ रहा था। जिससे वो परेशान हो गए। इसी बीच उनसे मिलने मनोज कुमार पहुंचे। जिन्होंने परेशानी का कारण पूछा और जवाब में मनोज कुमार बोले कि क्या मैं लिख दूंघ् खिसियाए मल्होत्रा जी ने कहा कि एक तो अशोक कुमार की डेट्स बड़ी मुश्किल से मिली ऊपर से उन्हें फिल्म का एक सीन पसंद नहीं आ रहा है।

(लेखक- ऋतुपर्ण दवे)

भारतीय फिल्म जगत का एक दैदीप्यमान नक्षत्रए वो चमकता सितारा जिसने कभी अपने उसूलों से समझौता नहीं किया। जिसकी हरेक फिल्म में कूट.कूट कर देश प्रेम भरा है। जिसके अन्दर भारतीयता की ऐसी लौ थी कि खुद ही भारत कुमार बन गया। यकीन नहीं होता कि मनोज कुमार हमारे बीच नहीं रहे! लेकिन उनका अभिनयए आदर्श और सबसे बड़ी देश प्रेम की प्रेरणा कभी चुकने वाली नहीं। जब तक सृष्टि रहेगीए धरती और ब्रम्हाण्ड रहेगा तब तक भारत रहेगा और भारत कुमार के बोल ष्मेरे देश की धरती सोना उगले.उगले हीरा.मोतीष् सबके कानों में गुंजायमान होते रहेंगे। अद्वितीय प्रतिभा के धनी मनोज कुमार ने कभी भी फिल्म को फिल्म नहीं बल्कि संस्कारए देशहित और संदेशवाहक के रूप में देखा। यही कारण था कि उनके द्वारा अभिनीत फिल्में भारतीय सिने जगत में तो परचम लहराती रहीं विदेशों में भी जबरदस्त लोकप्रिय हुईं।

24 जुलाई 1937 को जन्मे मनोज कुमार के नाम से मशहूर हरिकृष्ण गिरी गोस्वामी का जन्म पाकिस्तान के एबटाबाद में हुआ था। उनका जंडियाला शेर खान और लाहौर जैसे इलाकों से भी संबंध रहा है। उन दिनों जब दिल्ली में सुभाष चंद्र बोस की आईएनए से जुड़े लोगों का ट्रायल चल रहा था तो लाहौर के नौजवान और बच्चे जुलूस निकाल नारे लगाते थे ष्लाल किले से आई आवाज ढिल्लोए सहगलए शाहनवाजष्। इनमें मनोज भी शामिल होते। इस बीच स्वतंत्रता मिलीए बंटवारा हुआ देश भारत.पाकिस्तान में बंट गया। बंटवारे के बाद हुई हिंसा में उनके चाचा मारे गए। उनके पिता उन्हें लाल किला ले गए। दोनों ने वहां नारे लगाए। इसकी छाप उनके जीवन में पड़ी। वो दिल्ली के शरणार्थी कैंप में भी रहे। वहीं उनके भाई का जन्म होने वाला था। लेकिन हिंसा के बीच अस्पताल के लोग भी भूमिगत हो गए और बिना इलाज भाई मारा गया। यहीं से उनके मन में दंगों को लेकर नफरत हुई। लेकिन पिता ने जिंदगी में कभी दंगा.मारपीट न करने की सीख दी। जिससे उनका हृदय परिवर्तन हुआ।

दिल्ली में ही उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का बहुत शौक था। वह अभिनेता बनना चाहते थे लेकिन उन्होंने फिल्मों में आने से पहले हिंदू कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली। अपने बचपन से ही फिल्मों में जाने के शौक से छोटी सी उम्र में ही अभिनेता बनने मायानगरी मुंबई का रुख किया और मायानगरी मुंबई आ गए। वो दिलीप कुमारए अशोक कुमार और कामिनी कौशल से बेहद प्रभावित रहे।

वर्ष 1957 में महज 19 साल की उम्र में मनोज कुमार को पहली बार फिल्म फैशन में 80.90 साल के भिखारी का छोटा सा रोल मिला। इसके बाद वो लगातार 10 वर्षों तक संघर्ष कर अपने जूते घिसतते रहे। उन्हें एक बात बहुत चुभ गई थी जब उन्होंने अपने पहले लेकिन छोटे से अभिनय को लेकर फिल्म निर्माता लेखराज भाकड़ीए कुलदीप सहगल से पूछा कि उन्हें बड़ा रोल कब मिलेगाघ् जवाब मिला की लोगों की उम्र निकल जाती है अभी जूते घिसो। बस यही शब्द उनके जीवन के टर्निंग प्वॉइंट बन गए। यहां से उन्होंने फिल्मों में लिखने का काम भी शुरू कर दिया। जिसमें खासी सफलता मिली। इसको लेकर एक मजेदार वाकया भी है। अपने संघर्ष के दिनों में दुर्घटनावश अपने आदर्शों में से एक अशोक कुमार यानी दादा मुनि की फिल्म का एक सीन लिखने का मौका मिला। हुआ यह कि प्रोड्यूसर रोशन लाल मल्होत्रा फिल्म ष्जमीन और आसमानष् बना रहे थे। इसके लिए लिखा गया सीन उन्हें पसंद नहीं आ रहा था। जिससे वो परेशान हो गए। इसी बीच उनसे मिलने मनोज कुमार पहुंचे। जिन्होंने परेशानी का कारण पूछा और जवाब में मनोज कुमार बोले कि क्या मैं लिख दूंघ् खिसियाए मल्होत्रा जी ने कहा कि एक तो अशोक कुमार की डेट्स बड़ी मुश्किल से मिली ऊपर से उन्हें फिल्म का एक सीन पसंद नहीं आ रहा है। चलो लिखो। इस तरह मनोज कुमार ने सीन लिखा जो अशोक कुमार को बहुत पसंद आया। इसके लिए उन्हें ग्यारह रुपए मिले। इसके बाद तो यह सिलसिला शुरू हो गया। कई प्रोड्यूसर उनसे फिल्मों के सीन लिखवाने लगे। लेकिन मनोज कुमार के मन में कुछ और चल रहा था जिसे लेकर उनकी कोशिशें जारी रहीं। इसके बाद कई प्रोड्यूसर उनसे फिल्मों के सीन लिखवाने लगे। लेकिन हीरो बनने का प्रयास जारी रखा। आखिर मेहनत रंग लाई। 1961 में फिल्म कांच की गुड़िया मे ब्रेक मिला। इसके फौरन बाद अगले साल उन्हें विजय भट्ट की फ़िल्म शहरियाली और रास्ताश् मिली जिसने उनकी जिंदगी का रास्ता बदल दिया।

उनके दिल में देश भक्ति कूट.कूट कर भरी थी। आजादी के बाद जब भारतीय फिल्मों का दौर बदल रहा था तब मनोज कुमार एक्शनए रोमांटिक फिल्मों के बजाए देश भक्ति की ओर बढ़ रहे थे। यह उनकी निष्ठा और भावना थी जो उन्होंने 1965 में देश भक्ति से ओत.प्रोत फिल्म शहीद बनाई। इसमें शहीद भगत सिंह की भूमिका निभाई। 1965 के भारत.पाकिस्तान युद्ध के दौरान उनकी मुलाकात तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से हुई जिन्होंने उन्हें युद्ध में होने वाली परेशानियों पर फिल्म बनाने को कहा। शास्त्री जी कहा कि मेरा एक नारा है जय जवान.जय किसान। इस पर कोई फिल्म बनाओ। मनोज कुमार ने फिल्म उपकार बनाई जो सबको बहुत पसंद आई। हालांकि शास्त्री जी इसे नहीं देख पाए क्योंकि उसी बीच उनकी मृत्यु हो गई थी। उपकार आज भी जबरदस्त लोकप्रिय है। इस फिल्म से मनोज कुमार की किस्मत रातों.रात बदल गई। उपकार की कहानी और गाने दर्शकों को बेहद भाए। वास्तव में फिल्म में भारत के किसान के संघर्ष को दिखाया गया है। इसी फिल्म ने मनोज कुमार को दूसरा नया नाम भारत कुमार दे दिया। यूं तो मनोज कुमार का असली नाम हरिकिशन गोस्वामी था। लेकिन बॉलीवुड में उन्होंने मनोज कुमार और भारत कुमार के नाम से परचम फहराया। उन्होंने बॉलीवुड को एक से एक हिट फिल्में दी। जिनमें उपकारए पत्थर के सनमए रोटी कपड़ा और मकानए संन्यासीए हिमालय की गोद मेंए पत्थर के सनमए नील कमलए पूरब और पश्चिमए रोटी कपड़ा और मकानए दो बदनए क्रांति जैसी कामियाब फिल्में हैं। उन्हें 2015 में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में योगदान के लिए दादा साहब फाल्के अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

आज मनोज कुमार भले हमारे बीच में नहीं हैं। लेकिन फिल्म में उनके बोल भारत का रहने वाला हूँ भारत की बात बताता हूँ हमेशा.हमेशा कानों में गूंजते रहेंगे। मनोज कुमार यानी भारत कुमार देश की आनएबान और शान थेए हैं और रहेंगे। जब भी उनके गीत बजेंगे वो याद आएंगे दिलों में धड़केंगे। तुम्हें कैसे कहें अलविदा भारत कुमार तुम दिल में थेए हो और इस धरती पर हमेशा रहोगे और पीढ़ियां दर पीढ़ियां तुम्हें फक्र से याद करेंगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

संपादकीय

टैरिफ की चुनौती

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी-चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हम कौशल विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करें। कुशल कामगारों से हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकते हैं।

जन सरोकार का सिनेमा बनाने वाले मनोज कुमार

(लेखक -दिलीप कुमार पाठक)

एक दौर था जब कहा जाता था कि हर ऐक्टर शोमैन राजकपूर नहीं हो सकता है, जो खुद ही फिल्म का ऐक्टिंग, निर्देशन, निर्माता हो। हर किसी के बस की बात नहीं है। राज कपूर साहब का नाम आते ही एक ही शब्द जेहन में आता है... प्रतिभा... ऐसे ही एक ऐक्टर हैं, मनोज कुमार जी या भारत कुमार जी कह लें। मनोज कुमार जी ने अपनी फिल्म में रायटर, ऐक्टर, डायरेक्टर, एडिटर, निर्माता आदि की भूमिका बड़ी शिद्दत से निभाते थे। 60 के दशक के बाद यह जुमला फिर उन्हें सुनने को नहीं मिला, जो कभी उनके ऊपर ताना मारते हुए बोला गया था, कि हर कोई राज कपूर नहीं हो सकता... सच है कोई ग्रेट शो मैन राज कपूर साहब की जगह नहीं ले सकता... लेकिन मनोज कुमार साहब की प्रतिभा भी उनका मुकाम बयां करती है। वो हमें किसी का खुद का वजूद परछाईयों में देखने की आदत पड़ी है।

सिनेमा का समाज को गढ़ने में प्रमुख रोल रहा है... सिनेमा भी दो तरह का होता है एक जहां खूब पैसा बनाया जाता है, दूसरा जहां ज़न सरोकार का सिनेमा गढ़ा जाता है। मनोज कुमार जी ने सिनेमा में पागल कर देने वाला स्टारडम, नहीं देखा, अपितु इज्ज़त बहुत कमाई। मनोज कुमार जी ने अपने अभिनय से लोगों के दिल में देशप्रेम का जज्बा बढ़ाया है। मनोज कुमार जी अविभाजित हिन्दुस्तान आज के पाकिस्तान में जन्मे थे। इनका नाम हरीकिशन गिरी गोस्वामी था... बचपन से ही हीरो बनने की चाहत हिन्दुस्तान खींच कर ले आई। बंटवारे की त्रासदी, पलायन का दर्द काफी था, उपकार, रोटी कपड़ा और मकान, पूरब और पश्चिम, क्रांति जैसी फिल्म को गढ़ने के लिए...

बचपन से ही पलायन, दु:ख, दर्द अगर रचनात्मकता की राह पकड़ ले तो आदमी कुछ न कुछ कमाल ही करता है...जो मनोज कुमार जी ने सिनेमा की दुनिया में रचा वो कमाल ही तो है। मनोज कुमार जी मात्र 10 साल के थे, जब माता-पिता के साथ पाकिस्तान छोड़कर भारत आ गए थे। मनोज कुमार जी को फ़रिश्ता बनने की चाहत हिन्दी सिनेमा में खींच लाई थी। मनोज जी बचपन में रिफ्यूजी कैंप में रहते थे। उस समय दिलीप साहब की फिल्म दिखाई जा रही थी। फिल्म का नाम जुगनू था... मनोज कुमार दिलीप साहब की पर्सनलिटी से बहुत प्रभावित हुए, उस समय इनकी उम्र करीब 12 साल रही होगी। यह वही दौर था, जब हर कोई दिलीप कुमार बनना चाहता था। कुछ दिन बाद मनोज कुमार को दिलीप साहब की एक फिल्म और देखने का मौका मिलता है। इस फिल्म का नाम शहीद था। दोनों फ़िल्मों के क्लाइमेक्स में दिलीप साहब की मृत्यु हो जाती है... मनोज कुमार जी तब छोटे थे, उनमे फिल्म समझने की समझ नहीं थी, हालांकि दिलीप साहब ज़रूर अच्छे लगे थे।उनको यह यह समझ में नहीं आ रहा था, कि कोई इंसान दो बार कैसे मर सकता है। मनोज कुमार यही सब बार बार सोच कर चिंतित रहने लगे। उनकी मां ने मनोज कुमार को शांत बैठा देख गुमशुम रहने की वजह पूछा तो मनोज कुमार ने अपनी मां से पूछा की एक आदमी कितनी बार मरता है? तो मां ने कहा एक बार तो मनोज कुमार ने कहा अगर 2-3 बार मरे तो, तो मां ने कहा फिर तो वो इंसान नही वो फरिश्ता होता है... छोटे से मनोज कुमार जी ने तभी सोच लिया था कि वो बड़े होकर दिलीप कुमार की तरह फरिश्ता बनेंगे... बड़े होकर जब ऐक्टर बने तो अपना नाम मनोज कुमार रख लिया। क्योंकि दिलीप साहब की फिल्म शबनम में उनके कैरेक्टर का नाम मनोज था। मनोज कुमार ने अपनी सिनेमाई समझ का बेहतरीन उपयोग करते हुए अपनी अगली फिल्म क्रांति बनाई, जिसने उनके करियर को तो चरम पर पहुंचाया ही साथ ही साथ खराब दौर से गुजर रहे दिलीप साहब की भी शानदार वापसी करवाई। दिलीप साहब पहले फिल्म करने के लिए राजी नहीं थे, लेकिन उन्होंने मनोज कुमार के प्रेम में फिल्म करने के लिए हाँ कर दिया। मनोज कुमार दिलीप साहब के इतने बड़े दीवाने हैं कि आज भी कोई उन्हें कहता है कि आप दिलीप साहब की नकल करते हैं तो उन्हें सुनकर बुरा नहीं अपितु खुशी होती है कि मैं भी दिलीप साहब जैसे अभिनय कर सकता हूं।

कालजयी फिल्म क्रांति के साथ ही अपनी बनाई गई फिल्मों की अभूतपूर्व सफलता के बाद मनोज कुमार का खराब दौर भी शुरू हो गया था। उनकी 1989 में बनी फिल्म 'क्लर्क' फ्लॉप रही और 'संतोष', 'कलयुग की रामायण' जैसी फिल्मों से उनका करियर ग्राफ नीचे की ओर आता रहा... मनोज कुमार ने अपने लम्बे सिनेमाई सफ़र में पचास से भी कम फ़िल्मों में अभिनय किया, लेकिन उनकी सारी की सारी फ़िल्में यादगार हैं... तीन सौ से अधिक फ़िल्मों में काम करने वाले अभिनेताओं ने भी इतनी ब्लॉकबस्टर फ़िल्में नहीं दी, जितनी ब्लॉकबस्टर फ़िल्में मनोज कुमार ने अपने कॅरियर में दी।मनोज कुमार अपनी सिनेमाई यात्रा के लिए कहते हैं मैंने कम ही फ़िल्में बनाई हैं, लेकिन जितनी भी बनाई हैं सभी कंटेंट के लिहाज से उम्दा रही हैं। भले ही मैंने पचास से कम फ़िल्मों में काम किया लेकिन दर्शकों को मेरी सभी फ़िल्में मुँह जुबानी याद हैं। मैंने सिनेमाई यात्रा में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां मैंने काम किया और सफलता नहीं पाई हो। हालाँकि मैं अब भी फ़िल्में देखता हूं, लेकिन देव साहब, दिलीप साहब,

राज कपूर साहब, राजेन्द्र कुमार, प्राण साहब, अजीत साहब, आदि की फ़िल्में मैं नहीं देख पाता, क्योंकि मुझे उनकी याद आती है।

सच है ऐसा कोई अवॉर्ड नहीं है, जो मनोज कुमार जी को मिला न हो। वहीँ मनोज कुमार जी जैसे अनोखे लोग थे, जो सरकार के करीबी भी थे। इंदिरा जी, अटल जी जैसे नेताओ को अपना मित्र भी बताते थे। हमेशा सम्मानीय थे, और जब समाज के साथ खड़े होने की बात आती थी, तो बोल देते थे, कि रोटी हमारे घर में देश के हर वर्ग से आती है... हम आपकी दोस्ती के लिए ईमान नहीं बेच सकते। कीमत चाहे जो भी चुकानी पड़े। ऐसे अदाकार को मेरा सलाम।

(चिंतन- मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत- उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात- स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंत-स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विचार मंथन

बीमार बच्चों की तरह पैदा हो रहे हैं, बीमार कानून

(लेखक - सनत जैन)

उत्तराखंड की सरकार ने दो माह पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कानून तैयार किया है। इसको लेकर लंबे समय तक बहस चली। तरह-तरह के सुझाव लिए गए। देश में उत्तराखंड पहली सरकार बनी, जिसने समान नागरिक संहिता का कानून लागू किया। इस कानून को लागू हुए 2 महीने भी नहीं हुए हैं, इसमें बदलाव करने की मांग होने लगी है। कानून को लेकर उत्तराखंड की राज्य सरकार के खिलाफ नागरिकों तथा सरकारी कर्मचारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। कई ऐसी परेशानियां खड़ी हो गई हैं, जिसके कारण पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन ही खतरे में पड़ गया है। नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है। समान नागरिक सहायता कानून लागू होने के बाद उत्तराखंड के नागरिकों को कई परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन पर भी इसका बड़ी तेजी के साथ असर पड़ रहा है। इसका निराकरण वर्तमान कानूनो में नहीं हो पा रहा है। सरकार को लोगों की परेशानी अब समझ में आ रही है। अतः दो माह पहले बने कानून में संशोधन की तैयारी शुरू हो गई है। उत्तराखंड के लाखों सरकारी कर्मचारी इस कानून से हैरान और परेशान हैं। सभी कर्मचारियों के लिए शादी का रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर करवाना अनिवार्य है। इसमें कर्मचारियों को कई तरह से परेशानियां आ रही हैं। जिसके कारण कर्मचारी संगठनों द्वारा कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए संशोधन की मांग की जा रही है। सरकारी कर्मचारियों के अलावा लाखों अन्य लोग भी हैं, जिन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए उत्तराखंड की सरकार ने एक हाई पावर कमेटी का गठन कर दिया है। जो जल्द ही संशोधन प्रस्तावों पर विचार करेगी। उत्तराखंड के मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी सरकारी कर्मचारियों को विवाह रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर कराना है। निश्चित समय सीमा पर पोर्टल पर अपलोड नहीं करने वाले कर्मचारी और अधिकारियों के वेतन रोकने के आदेश शासन स्तर पर दिए गए हैं। समान नागरिक संहिता के प्रावधान के अनुसार विवाह का पंजीकरण, तलाक विच्छेदन, लिव इन रिलेशन इत्यादि की जानकारी पोर्टल पर सभी लोगों को अपलोड करना है। इसके लिए जो सिस्टम तैयार किया गया है। वह आधा अधूरा होने से लोग परेशान हैं।

समान नागरिक संहिता कानून के जिन तीन प्रावधान को लेकर सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है। उसमें समलैंगिक विवाह कानून, विदेशी नागरिक से शादी, लिव इन रिलेशन, विवाह के समय नाबालिग और अब बालिग हैं। ऐसे मामलों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंतरजातीय विवाह के पंजीकरण में तरह-तरह की समस्याएं आ रही हैं। जिसके कारण उत्तराखंड में इस कानून का विरोध सभी वर्गों में हो रहा है। सरकार जिस तरह से निजी मामलों में कानून बनाकर पारिवारिक संबंधों को लेकर हस्तक्षेप कर रही है, उससे सभी वर्गों के लोगों की नाराजी सरकार के प्रति बढ़ रही है। उत्तराखंड में नेपाल और उत्तराखंड के युवक और युवतियों की बड़ी संख्या में शादी होती है। उत्तराखंड में इसे सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त है। नेपाल की नागरिकता होने के कारण विवाह पंजीकरण में आधार कार्ड की अनिवार्यता भारी पड़ रही है। उत्तराखंड अनुसूचित जनजाति के विवाह पंजीकरण में भी कई तरह की समस्याएं आ रही हैं। उत्तराखंड में सभी सरकारी कर्मचारी, अधिवक्ता, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन, समान नागरिक संहिता के विरोध में एकजुट हो रहे हैं। इसके कारण सरकार को 2 माह पहले बने इस कानून में संशोधन करने के लिए एक हाई पावर कमेटी का गठन करना पड़ा है। इस कानून का असर गैर मुसलमानों पर ज्यादा पड़ रहा है। सार्वजनिक रूप से सरकार यह बात स्वीकार नहीं कर रही है, लेकिन जिस तरह से विरोध हो रहे हैं, उसको देखते हुए सरकार एक बार फिर समान नागरिक संहिता में संशोधन की तैयारी कर रही है। जिस जल्दबाजी में कानूनो को तैयार किया जाता है। कानून को तैयार करते समय बड़े-बड़े दावे सरकार द्वारा किए जाते हैं। सरकारें जिस तरह के कानून बना रही हैं। उसमें निजता का उल्लंघन हो रहा है। मौलिक अधिकारों का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सरकारों द्वारा, कानून बनाकर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप नागरिकों और सरकार के बीच में टकराहट बढ़ने लगी है। न्यायालय में भी मुकदमो की संख्या बढ़ने लगी है। जब बच्चा पैदा होता है, वह सारी ऊर्जा और संभावनाओं को लेकर पैदा होता है। बच्चों में बीमारी की संभावनाएं बहुत कम होती हैं। वह तेजी के साथ आगे बढ़ते हैं। पिछले वर्षों में जिस तरह के कानून केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा तावड़-तोड़ तरीके से बनाए जा रहे हैं। कानून बनने के साथ ही उसमें संशोधन शुरू हो जाते हैं। नए-नए कानून लोगों के दैनिक एवं सामाजिक जीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 85.33 पर बंद हुआ। इससे पले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 34 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.96 पर पहुंच गया। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बाद डॉलर में व्यापक कमजोरी से रुपये सहित उभरते बाजारों की मुद्राओं को राहत मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.07 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 84.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 34 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 फीसदी की गिरावट के साथ 101.64 पर रहा।

थॉमस कुक इंडिया के ब्रांड एंबेसडर बने कार्तिक आर्यन

मुंबई। विदेशी मुद्रा सेवा प्रदाता थॉमस कुक इंडिया ने बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन को अपने बॉर्डरलेस यात्रा कार्ड के लिए ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि यह कदम विशेष रूप से युवा भारत को लक्षित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। कार्तिक आर्यन अपने करिश्माई व्यक्तित्व और युवाओं के साथ मजबूत जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। उनका प्रशंसक आधार, आकांक्षात्मक छवि, और विशेष रूप से मिलेनियल्स और जेनजेड के बीच उनकी पहचान उन्हें एक प्रमुख प्रभावशाली व्यक्ति बनाती है। वह भारत के नए युग के यात्री की भावना को व्यक्त करते हैं, जो उन्हें थॉमस कुक के फॉरेक्स विशेषज्ञता का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

व्हाइट हाउस के दस्तावेज में भारत पर शुल्क 27 से घटाकर किया गया 26 प्रतिशत

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के दस्तावेज में भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को 27 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया है। शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विभिन्न देशों के खिलाफ जवाबी शुल्क की घोषणा करते हुए एक चार्ट दिखाया था जिसमें भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों पर लगाई जाने वालीं नई शुल्क दरों का उल्लेख था।चार्ट के अनुसार, भारत ''मुद्रा हेरफेर और व्यापार बाधाओं'' सहित 52 प्रतिशत शुल्क लेता है और अमेरिका अब भारत से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क वसूलेगा। हालांकि, व्हाइट हाउस के दस्तावेजों में भारत पर 27 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का जिक्र था लेकिन नवीनतम अद्यतन दस्तावेज में इसे घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क के एक प्रतिशत कम होने का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पॉपुलर मोपेड ई-लूना का अपडेटेड वर्जन होगा लॉन्च

नई दिल्ली । काइनेटिक अपनी पॉपुलर मोपेड ई-लूना का अपडेटेड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। यह नया मॉडल पेट्रोल वर्जन की तरह ही दिखेगा लेकिन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के हिसाब से इसमें कुछ अहम बदलाव किए गए हैं। इसके लिए कंपनी ने डिजाइन पेटेंट रजिस्टर करा लिया है। इसमें चौकोर हेडलैंप और एक छोटा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। नई ई-लूना में बैटरी की प्लेसमेंट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सीट और हैंडलबार के बीच एक बड़ा बॉक्स देखा गया है, जिसमें नया बैटरी पैक हो सकता है। इससे मोपेड की रेंज पहले से ज्यादा हो सकती है। मौजूदा ई-लूना में 2 केडब्ल्यूएच बैटरी दी गई है, जो 110 किलोमीटर तक चल सकती है। नए वर्जन में एक्स्ट्रा बैटरी पैक मिलने की संभावना है, जिससे यह 200 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है। मौजूदा मॉडल की टॉप स्पीड 50 किमी/घंटा है और इसे फुल चार्ज होने में 4 घंटे लगते हैं। नए मॉडल में तेज चार्जिंग तकनीक देखने को मिल सकती है।

घरेलू और विदेशी बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने का भाव 89,350 रुपए, चांदी 92,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

देश के सराफा बाजार और` विदेशी बाजारों में भी शुक्रवार को सोने-चांदी के भाव में नरमी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में शुक्रवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय सोने के वायदा भाव 89,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 92,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव काफी बढ़ने के बाद तेजी से गिर रहे हैं। जानकारों के मुताबिक इसकी वजह मुनाफावसूली है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 606 रुपये की गिरावट के साथ 89,451 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 90,057 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 715 रुपये की गिरावट के साथ 89,342 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की गिरावट के साथ 94,100 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 94,399 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव गिर गए। चांदी की शुरुआत सुस्त ही हुई। कॉमेक्स पर

सोना 3,138 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,121.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,115.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव 3,196.60 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.92 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.97 डॉलर था।

केंद्र सरकार अपनी माज़गॉन डॉक शिपबिल्डर्स में 4.83 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए होगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपनी पीएसयू, माज़गॉन डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में 4.83 फीसदी की हिस्सेदारी बेचने की घोषणा की है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए होगी, जिसमें सरकार शुरुआत में 2.83 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी और अतिरिक्त 2 फीसदी का हिस्सा ग्रीन शू ऑप्शन के तहत बीच कर सकती है। बिक्री का ऑर्डर बुक करीब 54,000 करोड़ रुपए से अधिक है, जो दर्शाता है कि बाजार में कम्पनी के खिलाफ भरोसा मजबूत है। इस साल के अप्रैल के महीने में ओएफएस नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए खुलेगा, जिसके दौरान 2,525 डॉलर प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस है। बाजार उम्मीद कर रहा है कि बिक्री की मांग अच्छी होगी और सरकार इस साल के अंत तक अपनी हिस्सेदारी को 80 फीसदी तक घटा सकती है। इस बिक्री के पीछे सरकार के कई उद्देश्य हैं, जिनमें सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाना और निजी निवेश को बढ़ावा देना शामिल है। माज़गॉन डॉक के उद्धारण और रक्षा मंत्रालय के अधीन उनके योगदान का महत्वपूर्ण स्थान है और वे भविष्य में और अधिक निजी निवेश आकर्षित कर सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के दाम में राहत दे सकती है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत की बात करें तो ये 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। आखिर में चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है। इससे पहले 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल के दाम 2 रुपए प्रति लीटर कम हुए थे। जबकि, उससे पहले 22 मई 2022 में सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कम की थी, जिसके बाद पेट्रोल 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल 16 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ था। वहीं, पेट्रोलियम मंत्री ने हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर ग्लोबल लेबल पर कच्चे तेल की कीमत अभी की तरह रही तो देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 931 अंक नीचे आया

निफ़्टी भी 345 अंक टूटा , निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत सहित 180 देशों पर टैरिफ लगाने के बाद संभावित ट्रेड वॉर की आशंकाओं को देखते हुए सतर्कता बरती। जिससे भी बाजार नीचे आया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 930.67 अंक करीब 1.22 फीसदी नीचे आकर 75,364.69 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी अंत में 345.65 अंक तकरीबन 1.49 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ 22,904.45 पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी मेटल, ऑटो, आईटी और फार्मा शेयरों में 2.17 प्रतिशत तक की गिरावट रही। बैंक और वित्तीय शेयरों में हालांकि बढ़त रही। आज बाजार में गिरावट से निवेशकों को काफी नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर घटकर 4,03,83,671 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं यह गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद 414,16,218 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों के कुल मिलाकर 10,32,547 करोड़ रुपये डूब गये। इससे पहले गुरुवार को भी बाजार में गिरावट रही थी। आईटी इंडेक्स में गिरावट के चलते बाजार नीचे आया था। हालांकि, फार्मा और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार में निचले स्तरों से रिकवरी हुई थी। घरेलू बाजार में गिरावट का एक कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों का नीचे आना रहा है। रिलायंस के शेयर आज बीएसई पर 4 फीसदी से अधिक टूकर 1,195.75 रुपये के दिन के निचले स्तर पर आ गए। रिलायंस के अलावा कई अन्य लार्जकैप शेयरों में भी बिकवाली रही। टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयरों में भी 1 फीसदी से 6 फीसदी तक की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में लगातार दूसरे दिन भारी गिरावट रही। ट्रंप के टैरिफ और अमेरिका में मंदी की आशंका से भी निवेशक सतर्क नजर आये। जापान का निक्केई इंडेक्स 3 फीसदी नीचे आया। वहीं ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 2.44 फीसदी गिरा, और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.78 फीसदी फिसला। वहीं चीन और हांगकांग के बाजारों में आज छुट्टी रही। इससे पहले अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को भारी गिरावट आई। व्यापक बाजार सूचकांक 4.84 प्रतिशत गिरकर 5,396.52 पर बंद हुआ, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,679.39 अंक या 3.98 फीसदी नीचे आकर 40,545.93 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 5.97 फीसदी टूटकर 16,550.61 पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई इंडेक्स 2.46 फीसदी नीचे था और टॉपिक्स 3.18 फीसदी पीछे था। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.29 फीसदी फिसला जबकि कोसडैक 0.59 फीसदी ऊपर आया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.42 फीसदी गिरा।

भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि में उत्पादन और बिक्री में मामूली गिरावट

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग काफी हद तक उत्साहजनक रही

नई दिल्ली।

भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि में उत्पादन और बिक्री में मामूली गिरावट के साथ मार्च महीने में थोड़ी धीमी रही है, इसकी जानकारी शुक्रवार को एक मासिक सर्वेक्षण से मिली है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक फरवरी के 59.0 से घटकर मार्च में 58.5 पर आ गया है।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के अनुसार, 50 से ऊपर अंक का मतलब है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है जबकि 50 से कम का आशय है कि संकुचन हो रहा है। एचएसबीसी के भारत के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने इस संकेत को तर्कसंगत बताया, भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च 2025 में 58.5 रही है जो पिछले महीने से थोड़ा कम है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग काफी हद तक उत्साहजनक रही, हालांकि यह पिछले महीने की तुलना में क्रमिक रूप से कम रही। कीमत की दृष्टि से मार्च में तैयार माल शुल्क पर मुद्रास्फीति साढ़े तीन साल के निचले स्तर पर आ गई है। सर्वेक्षण प्रतिभागियों के अनुसार, मार्च में सेवा अर्थव्यवस्थाओं में भर्तियों की गतिविधि में कमी आई है। उपभोक्ता सेवा कंपनियां मार्च में सबसे अधिक उत्साहित रही हैं, उसके बाद वित्त एवं बीमा, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं, तथा परिवहन, सूचना और संचार सेक्टर। इस दौरान, भारतीय निजी क्षेत्र की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं, क्योंकि कंपनियों ने नए ऑर्डरों में वृद्धि का स्वागत किया है। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक फरवरी के 58.8 से मार्च में सात महीने के उच्च स्तर 59.5 पर पहुंच गया है। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण और सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के समूह को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया गया है।

ट्रंप के कदम से अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होगा नुकसान:रघुराम राजन

अमेरिकी उत्पादों के लिए विदेशी बाजार में अधिक मुश्किल होगी

मुंबई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 60 देशों पर लगाए गए टैरिफ के संकेतों ने वैश्विक व्यापार समुदाय को हिला दिया है। इसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने एक कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के इस कदम से सबसे बड़ा असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। राजन ने बताया कि ट्रंप का इस दौरे को खुद से नुकसान पहुंचाने जैसी क्रिया समझा जा सकता है। अमेरिकी उत्पादों के लिए विदेशी बाजार में अधिक मुश्किल होगी। पारंपरिक धाराओं पर उत्तेजना भी बढ़ सकती है। राघुराम राजन ने कहा कि भारत को अमेरिकी टैरिफ के व्यापार संकट को अवसर में बदलने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमे अपने टैरिफ को कम करके अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धा बढ़ानी चाहिए। भारत को अपनी व्यापार रणनीति में बदलाव कर एशियाई बाजारों को अधिक महत्व देना चाहिए। चीन और दक्षिण एशियाई देशों के साथ सशक्त व्यापारिक संबंध बनाना जरूरी होगा। ट्रंप प्रशासन का मुख्य लक्ष्य अमेरिकी उत्पादन को बढ़ाने की है। लेकिन राघुराम राजन का कहना है कि यह लंबी प्रक्रिया होगी और अत्यधिक मुश्किल होगी। अब देखना होगा कि भारत किस दिशा में रुख अपनाता है।

रेलवे की अनूठी पहल: रेल यात्रियों के गुम हुए मोबाइल फोन की तेज रिकवरी

यह पहल पूरे देश में लागू की जाएगी जिससे करोड़ों रेलयात्रियों को लाभ मिलेगा

नई दिल्ली।

रेलयात्रियों के खोए या गायब हुए मोबाइल फोन को ढूंढ़ने में मदद के लिए भारतीय रेलवे का पहला कदम उठाया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दूरसंचार विभाग के साथ हाथ मिलाकर दूरसंचार विभाग के सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से खोए फोनों की तेज रिकवरी में सहायक बनने का ऐलान किया है। यह पहल नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) में एक पायलट प्रोग्राम के विजयपूर्ण परिणाम के बाद शुरू की गई है। रेलमंत्रालय द्वारा यह पहल पूरे देश में लागू की जाएगी जिससे करोड़ों रेलयात्रियों को लाभ मिलेगा। यात्रियों को अपने गुम हुए मोबाइल फोन प्राप्त करने के लिए रेल मदद या 139 नंबर डायल करके रिपोर्ट करने का विकल्प मिलेगा। अगर यात्री एफआईआर दर्ज कराना नहीं चाहते तो वे सीईआईआर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सीईआईआर पंजीकरण के बाद, आरपीएफ की जोनल साइबर सेल शिकायत को सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज करेगी और उसके बाद डिवाइस को ब्लॉक कर देगी। अगर नई सिम के साथ खोए गए फोन का पता लगता है, तो विकल्पकर्ता को निकटतम आरपीएफ पोस्ट पर लौटाने की सलाह दी जाएगी। सीईआईआर पोर्टल द्वारा दूरसंचार विभाग द्वारा शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म, खोए उपकरणों को ब्लॉक करने, ट्रैक करने और प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आरपीएफ अब खोए मोबाइल फोन को उनके आईएमईआई नंबर को ब्लॉक करके बेकार कर सकेगा, जिससे इन उपकरणों के अवैध कब्जे और दोबारा बेचने पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। आरपीएफ ने नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था जिससे कई खोए हुए मोबाइल फोनों की सफल रिकवरी हुई और मोबाइल चोरी में शामिल व्यक्तियों को पकड़ा गया।

फॉर्च्यूनर में एलपीजी किट इंस्टॉल कर पेश किया नया विकल्प

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा डीजल इंजन पर संभावित प्रतिबंध को देखते हुए फॉर्च्यूनर के वैकल्पिक ईंधन विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। इसी क्रम में थाईलैंड की हांगटोंग गैस कंपनी ने फॉर्च्यूनर में एलपीजी किट इंस्टॉल कर एक नया विकल्प पेश किया है।

हांगटोंग गैस प्रिंस ब्रांड की एलपीजी किट का उपयोग करती है, जिसे दुनियाभर में पेट्रोल वाहनों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इस किट को लगाने के लिए एसयूवी के स्पेयर-व्हील स्लॉट में डोनट-शेप सिलेंडर लगाया गया है, जिससे बूट स्पेस पर कोई असर नहीं पड़ता। कंपनी का दावा है कि इस किट से न केवल ईंधन लागत कम होगी, बल्कि एक्सेलेरेशन और ड्राइविंग अनुभव भी बेहतर होगा। भारत में एलपीजी एक सस्ता और आसानी से उपलब्ध ईंधन है, जिससे फॉर्च्यूनर जैसी एसयूवी को चलाना अधिक किफायती बन सकता है। यदि यह तकनीक सफल होती है, तो यह पेट्रोल और डीजल के मुकाबले एक बढ़िया विकल्प साबित हो सकती है। फिलहाल, टोयोटा फॉर्च्यूनर 2.8-लीटर डीजल (201 बीएचपी, 420 एनएम) और 2.7-लीटर पेट्रोल (164 बीएचपी, 245 एनएम) इंजन ऑप्शन में उपलब्ध है। इसकी ऑन-रोड कीमत रुपए 41.44 लाख से रुपए 64.47 लाख के बीच है। यदि भारत में भी एलपीजी वेरिएंट आता है, तो यह एसयूवी सेगमेंट में बड़ा बदलाव ला सकता है। बता दें कि टोयोटा फॉर्च्यूनर भारतीय बाजार में सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद फुल-साइज़ एसयूवीमें से एक है। यह अपनी मजबूती, कंफर्ट और ऑफ-रोडिंग क्षमताओं के लिए जानी जाती है।

इंटेरियो का वित्त वर्ष 2027 तक अपने बी2बी व्यवसाय में 30 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

मुंबई ।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख होम और ऑफिस फर्नीचर ब्रांड, इंटेरियो ने वित्त वर्ष 2027 तक अपने बी2बी व्यवसाय में 30 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए 55 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ऑफिस फर्नीचर बाजार के 2024 में 5.8 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2033 तक 8.83 प्रतिशत की सीएजीआर पर 13.0 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह देखकर इंटेरियो ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बदलने और कार्यस्थल समाधानों में उभरते मौका का लाभ उठाने के लिए यह निवेश किया है। इंटेरियो के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का ऑफिस सेक्टर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जिसमें वैश्विक उद्यम और बहुराष्ट्रीय कंपनियां उच्च-प्रदर्शन, भविष्य के लिए तैयार कार्यस्थलों की तलाश कर रही हैं। इंटेरियो का लक्ष्य इसतरह के ऑफिस वातावरण तैयार करना है जो कर्मचारियों की उत्पादकता को बढ़ावा दें, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें और सतत व्यापारिक प्रथाओं का समर्थन करें। भारत में वाणिज्यिक कार्यालय स्थान की मांग 2025 में 65-70 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंचने की संभावना है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, इंटेरियो लचीले, एर्गोनोमिक, टिकाऊ और तकनीकी रूप से उन्नत कार्यालय वातावरण बना रहा है जो बहुराष्ट्रीय निगमों, वैश्विक क्षमता केंद्रों और प्रगतिशील उद्यमों की जरूरतों को पूरा करता है। इंटेरियो ने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में मोशन एंड थ्रिल चेयर और फ्लेक्समीट वर्कस्टेशन जैसी एर्गोनोमिक श्रेणी में मजबूत प्रगति देखी है। इंटेरियो ने कॉर्पोरेट कार्यालयों, सरकारी सुविधाओं, बैंकिंग, बुनियादी ढांचे (मेट्रो, हवाई अड्डे), संग्रहालयों, सभागारों, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य, गोदामों और खुदरा स्थानों सहित विभिन्न क्षेत्रों में 100 मिलियन वर्ग फुट से अधिक में फैली 1500 से अधिक परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। कंपनी ने 70 से अधिक उत्पादों को डिज़ाइन रजिस्ट्रेशन और 9 उत्पादों को पेटेंट प्राप्त हुए हैं।

ट्रंप टैरिफ से गिरते बाजार में इस निजी सेक्टर के बैंक के शेयर दौड़े खूब

मुंबई ।

वैश्विक अनिश्चितताओं, ट्रंप टैरिफ और बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों में घबराहट का माहौल बना हुआ है। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1000 से ज्यादा अंक गिरा। निफ्टी-50 भी 23 हजार के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। निफ्टी के प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स आईटी, फार्मा, मेटल, ऑटो, रियल्टी, ऑयल एंड गैस हेल्थकेयर में भारी बिकवाली हुई। एक ओर जहां बाजार में ट्रंप टैरिफ की वजह से बड़ी गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। निजी बैंक के शेयर शुक्रवार के कारोबार के दौरान 3 प्रतिशत तक चढ़ गया। शेयरों में इस तेजी की वजह चौथी तिमाही की बिजनेस अपडेट को माना जा रहा है।एचडीएफसी बैंक के शेयर शुक्रवार को मजबूती के साथ 1808 रुपये पर खुले। दिन के कारोबार के दौरान बैंक के शेयर 2.7 फीसदी चढ़कर 1842.20 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में बैंक के शेयरों में थोड़ी नरमी दिखाई दी। बाजार बंद होने से पहले बैंक के शेयर बीएसई पर 23.45 रुपये चढ़कर 1817.15 रुपये पर थे। बैंक ने अपनी चौथी तिमाही के बारे में बताया कि उसकी डिपॉजिट्स सालाना आधार पर 14.1 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 5.9 प्रतिशत बढ़कर 27.15 लाख करोड़ हो गईं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को चेन्नई सुपर (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जीत के लिए हालांकि सीएसके के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यहां की पिच स्पिनर की सहायक रही है, ऐसे में स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव और चेन्नई सुपर किंग्स के पास अनुभवी आर अश्विन हैं। बीच के ओवरों में इन दोनों ही स्पिनरों पर काफी कुल निर्भर करेगा। वहीं अगर बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स के पास फाफ डु प्लेसी, केएल राहुल, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम और कप्तानी अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं।

वहीं दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे पर आधारित रहेगी। अनुभवी बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में भी निचले क्रम पर ही उतरेंगे क्योंकि हाल में टीम के कोच ने कहा था कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

ऐसे में शिवम और जडेजा को तेजी से रन बनाने होंगे। टीम के सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी अब तक तेज गेंदबाजों के सामने सहज नहीं दिखे। पारी की शुरुआत में वह भी वह विफल रहे। दिल्ली की टीम को अनुभवी फाफ डु प्लेसी से लाभ मिल सकता है। इसके अलावा टीम के पास जैक-फ्रेजर मैकगर्क, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल जैसे बल्लेबाज भी हैं।

इस मैच में सीएसके के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भी अंतर पैदा कर सकते हैं। वह हालांकि अभी तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आद्रे सिद्दार्थ।

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

पाक क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा : बासित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बल्लेबाज बासित अली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जताते हुए कहा है कि अगर यही हालात रहे तो आने वाले समय में टीम को विश्व कप सहित बड़े टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए क्वालीफाइंग राउंड खेलना पड़ेगा। हमने विरोधी टीमों केतेज गेंदबाजों के सामने सभी 10 विकेट गंवा दिए। पाक क्रिकेट का हाल ये हो गया है कि वह बाबर आजम के नाम से शुरू होता है और उसी पर खत्म हो जाता है। बासित ने कहा कि एशिया कप के सुपर फोर चरण में भारतीय टीम ने उसे हराया था तभी से टीम का खराब दौर शुरू हो गया था।

उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ एशिया कप का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके बाद जिस प्रकार से विराट कोहली और के एल राहुल ने हमारे गेंदबाजों को पीटा उससे हमारी टीम संभल नहीं पायी। वहीं टी20 विश्वकप में पाक टीम उसके बाद से न तो पाकिस्तान की बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी स्थिर हुई है। पिछले साल के टी20 विश्व कप में भी हमारी टीम छोटे से लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

जसप्रीत बुमराह का रिहैब जारी, मुंबई इंडियंस के अगले मैचों में खेलना मुश्किल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच में नहीं खेल पाएंगे और 7 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले हाई-वोल्टेज मैच में भी उनका खेलना संदिग्ध है। यह स्ट्रेस के लिए झटका है, लेकिन एक अच्छी बात यह भी है। बुमराह वापसी के करीब हैं क्योंकि वह बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन जारी रख रहे हैं।

पीठ के निचले हिस्से में तनाव से जुड़ी तकलीफ के बाद बुमराह जनवरी से ही खेल से बाहर हैं। इसके बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी से भी चूक गए जिसे भारत ने पिछले महीने जीता था, हालांकि उन्हें शुरू में प्रोविजनल स्क्वॉड में शामिल किया गया था। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें जनवरी की शुरुआत से 5 सप्ताह के लिए आराम करने की सलाह दी थी। हाल के हफ्तों में 31 वर्षीय खिलाड़ी धीरे-धीरे अपने गेंदबाजी कार्यभार का निर्माण कर रहा है और फिटनेस परीक्षण के अंतिम दौर के करीब है।

बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से मंजूरी मिलने के बाद ही उन्हें एमआई टीम में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। बुमराह खुद अपनी वापसी में सतर्क रहे हैं, मैदान पर वापस कदम रखने से पहले पूर्ण फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए 28 जून से इंग्लैंड में भारत की आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर नजर रखते हुए।

एमआई के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने आखिरी बार 19 मार्च को बुमराह की स्थिति के बारे में बात की थी जिसमें अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के बिना सीजन शुरू करने की चुनौती को स्वीकार किया था। उस समय मुंबई को उम्मीद थी कि बुमराह अप्रैल में वापसी करेंगे, लेकिन तब से समयसीमा को पीछे धकेल दिया गया है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें 1-2 जीत-हार का रिकॉर्ड है। बुमराह की अनुपस्थिति में टीम ने सत्यनारायण राजू, विग्नेश पुथुर और अश्विनी कुमार जैसे नए चेहरों को शामिल किया है, जबकि ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर ने तेज गेंदबाजी की कमान संभाली है। हार्दिक पांड्या ने सीम विभाग में अतिरिक्त सहायता प्रदान की है।

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी नजर

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे।

जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।

जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था।

सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती।

रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं।

इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं। अय्यर ने आईपीएल 2024 में 16 मैच में इतने छक्के लगाए थे। यही नहीं अय्यर ने अपने कप्तानी कौशल का भी शानदार नमूना पेश किया है। उन्होंने पहले दो मैच में जिस तरह से ग्लेन मैक्सवेल का स्पिन गेंदबाज के रूप के रूप में इस्तेमाल किया, वह सराहनीय है। जहां तक राजस्थान रॉयल्स का सवाल है तो संजू सैमसन की कप्तान के रूप में वापसी से उसकी टीम का हौसला बढ़ेगा लेकिन पंजाब किंग्स के विजय अभियान पर रोक लगाने के लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीमें

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन हार्डी, मार्को जानसन, ग्लेन मैक्सवेल, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, लॉकी फर्ग्यूसन। हरप्रीत बराड़, कुलदीप सेन, विजयकुमार वैश्य, यश ठाकुर।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्रेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

एसीसी के नये अध्यक्ष बने पीसीबी प्रमुख नकवी

दुबई । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के नये अध्यक्ष बने हैं। नकवी श्रीलंका के शम्मी सिल्वा की जगह लेंगे। एसीसी अध्यक्ष पद सभी सदस्य देशों के बोर्ड प्रमुखों को मिलता रहता है। अब तक इस पद पर श्रीलंकाई बोर्ड के प्रमुख सिल्वा थे। नकवी साल 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। नकवी की अब पहली जिम्मेदारी एशिया कप के आयोजन की होगी। एशिया कप सितंबर में टी20 प्रारूप में ही खेला जाएगा। इसके आयोजन स्थल की घोषणा अभी होनी है। नकवी ने एसीसी अध्यक्ष बनने पर सभी का आभार जताते हुए कहा कि मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। नकवी ने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए मिलकर काम करना रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं खेल के विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सभी सदस्य बोर्ड के साथ काम करने को प्रतिबद्ध हूं।

इस दौरान मेरा प्रयास सभी के साथ मिलकर नए अवसरों को खोजना रहेगा।, साथ ही कहा कि हम आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे और एशियाई क्रिकेट को ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। नकवी ने कहा कि मैं निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष को भी उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। एसीसी बैठक वर्चुअली आयोजित की गई थी। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया। वहीं निवर्तमान अध्यक्ष सिल्वा ने एसीसी सदस्यों के अलावा इसके पूर्व पमुख रहे भारत के जय शाह को भी धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि उनके नेतृत्व में एसीसी ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की जिसमें एसीसी एशिया कप व्यावसायिक अधिकारों के लिए अब तक का सबसे अधिक मूल्य हासिल करना, नई कार्यक्रम संरचना शुरू करना और एशिया में क्रिकेट के निरंतर विकास का मार्ग प्रशस्त करना आदि है।

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने से उत्साहित हैं डफी

हैमिल्टन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी इससे बेहद उत्साहित हैं। इस खिलाड़ी ने ताजा रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाकर वानिंदु हसरंगा, आदिल राशिद, वरुण चक्रवर्ती और अकील होसेन जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। डफी को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। डफी ने अब तक केवल 23 मैच ही खेले हैं। डफी ने कहा कि आईसीसी रैंकिंग में जगह मिलना बेहद सम्मान की बात है। डफी ने पांच साल पहले दिसंबर 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑकलैंड में अपना टी20 डैब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 32 विकेट लेकर रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। डफी इसी के साथ ही साल 2018 में स्पिनर ईश सोढ़ी के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।, जो पहले शीर्ष स्थान पर थे। पिछले कुछ समय में डफी मैट हेनरी और काइल जैमीसन जैसे नियमित खिलाड़ियों के नहीं होने पर एक प्रभावशाली तेज गेंदबाज के रूप में उभरे हैं। हाल ही में हुई टी20 सीरीज में उन्होंने 8.38 की औसत से अपने 5 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं, जिन्होंने अब तक 2 मैचों में 5 विकेट लिए हैं।

दोनो हाथों से गेंदबाजी करने वाले आईपीएल इहिहास के एकमात्र गेंदबाज हैं कामिंदू

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑफ स्पिनर कामिंदू मेंडिस दोनो ही हाथों से गेंदबाजी करने के कारण सबके आकर्षण का केन्द बने हुए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन में हुए पहले ही मैच में दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हुए विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले पहले पुरुष गेंदबाज हैं। मेंडिस को टीम ने केवल 75 लाख रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन इससे कहीं अच्छा रहा है। वह श्रीलंका की टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में वह कोलंबो क्रिकेट क्लब में शामिल हैं। मेंडिस ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत अक्टूबर 2018 में टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इसके बाद से ही वह टेस्ट और एकदिवसीय में

भी श्रीलंका की ओर से खेलते रहे हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते है। उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं।

मेंडिस टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 8 मैचों में 50 से अधिक रन बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद लगातार 8 टेस्ट मैचों में 50 से अधिक रन बनाए हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में बनाया था। मेंडिस ने मात्र 13 टेस्ट पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो-दो। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एक शतक लगाया है। इससे वह युवा टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस क्रिकेटर ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 74.72 की औसत से 1,184 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 200 रन है। मेंडिस ने अपने टेस्ट करियर में तेजी से 1,000 रन पूरे किए, जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता झलकती है। टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने के मामले में उन्होंने डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड बराबर किया था। 19 एकदिवसीय में उनके नाम 353 और 23 टी20 मैचों में 381 रन हैं।

प्रशंसक बोले, पंजाब किंग्स अगर आईपीएल जीती तो श्रेयस को मिलेंगे ढ़ेरों इनाम

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेली रहे पंजाब किंग्स अंकतालिका में अभी शीर्ष पर चल रही है। उसने अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार टीम को खिताब जीतने की पूरी उम्मीद है। पंजाब किंग्स अभी तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में उसे उम्मीद है कि श्रेयस टीम को इस बार जरुर जीत दिला पायेंगे। श्रेयस की ही कप्तानी में पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने खिताब जीता था। वहीं इसी बीच प्रशंसकों के तरह तरह से वीडियो सामने आ रहे हैं। इसमें कहा जा रहा है कि पंजाब को चैंपियन बनाने पर अय्यर को क्या क्या उपहार मिलेंगे। पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल नीलामी में श्रेयस को दूसरी सबसे बड़ी बोली 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। श्रेयस ने जिस प्रकार से अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी और कप्तानी की है उससे लगता है कि टीम का उनको खरीदने का फैसला सही था। उनके खरीदने है, उससे उनका फ्रेंचाईजी टीम का यह फैसला अब तक सही साबित होता नजर आ रहा है। टीम ने इस सीजन खेले अपने पहले दोनों ही मुकाबले में दमदार जीत दर्ज की है। टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रेयस ने 42 गेंदों पर 97 रन की नाबाद पारी खेली जबकि लखनऊ के खिलाफ 30 गेंद खेलकर 52 रन बनाए। अब प्रशंसक उनको पंजाब को आईपीएल चैंपियन बनाने के बाद मिलने वाले मिलने वाले उपहारों की भी मजाक में घोषणा करने लगो हैं। इसी को लेकर एक पोडकास्ट में पूछा गया कि अगर श्रेयस आईपीएल में पंजाब को चैंपियन बनाते हैं तो उनको क्या क्या मिलेगा। इस पर जवाब में कहा गया कि अगर उन्होंने पंजाब की टीम को आईपीएल जिता दिया तो वो सारी जिंदगी के लिए मेरे गांव के सरपंच हो जाएंगे। मोहाली में अय्यर के नाम की कालोनी और सड़कें बनवाएंगे। इसके अलावा उन्हें बंगले के साथ ही 100 एकड़ जमीन भी मिलेगी उनको 10 एकड़ की जमीन में एक शानदार कोठी बनवाकर देंगे। इसके अलावा भी उन्हें कई इनाम मिलेगें।

वह अच्छी 'रॉन्ग उन' डालता है, कुलदीप यादव ने युवा स्पिनर की तारीफ की

चेन्नई । दुनिया के शीर्ष बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने युवा अफगान गेंदबाज नूर अहमद की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों के लिए उनकी तेज गति वाली गुगली को समझना काफी मुश्किल है। कुलदीप और नूर अपनी-अपनी टीम के लिए अच्छी फॉर्म में हैं और शनिवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में काफी कुछ इन दोनों के प्रदर्शन पर निर्भर होगा। जहां कुलदीप ने तीन मैच में छह से कम की इकॉनमी रेट से पांच विकेट लिए हैं, वहीं नूर इस दौरान नौ विकेट झटके है। वह 6.83 की इकॉनमी रेट के साथ विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। कुलदीप ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'वह वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और मैं उसे व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वह ऐसा गेंदबाज है जो सभी से सीखने की कोशिश कर रहा है। कल रात भी हमारी बातचीत हुई थी। मैं उसके साथ बैठा था और हमने लेग-स्पिन के बारे में बातचीत की थी।' भारत के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, 'और जाहिर है उसके पास एक शानदार 'रॉन्ग उन' गेंद है और इस तरह की गति के साथ बल्लेबाज के लिए उनकी गेंद को समझना बहुत मुश्किल है। कुलदीप ने कहा, 'खासकर जब आप चेन्नई में खेलते हैं तो किसी भी कलाई के स्पिनर के खिलाफ रन बनाना हमेशा बहुत मुश्किल होता है।' कुलदीप ने केकेआर के वरुण चक्रवर्ती की भी बहुत तारीफ की जो भारत की टी20 टीम का एक अहम सदस्य बन गया है। उन्होंने कहा, 'वरुण पिछले एक साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जाहिर है, वह पिछले कुछ साल से केकेआर के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इस पल तक आने के लिए बहुत अच्छा खेल दिखाया है।'

घरेलू टीमों के अनुसार बनायी जानी चाहिये पिच : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लगी आईपीएल में जहां कई टीमों ने पिच को लेकर सवाल उठाये हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि घरेलू टीमों को अपने अनुसार पिच बनवाने का अधिकार होना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह घरेलू टीमों को मिलने वाले लाभ का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की पिच चाहते हैं, उन्हें ये मांग करनी चाहिए, और मुझे लगता उन्हें यह मिलना चाहिए क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है। एक वह पिच जिसे आप चुनते हैं और दूसरा अपने प्रशंसकों का समर्थन। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है जो दूसरी टीम को भी मिलता है। चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के प्रदर्शन के लिए सबसे अहम कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका मानना है कि अगर पिच की स्थिति आपके खिलाफ है, तो टीम की पूरी खेल योजना पर पानी फिर सकता है। उन्होंने कहा, सबसे जरुर बात यह है कि वे किस पिच पर खेलने जा रहे हैं। ऐसे में दर्शकों की भीड़ मायने नहीं रखती। साथ ही कहा कि अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना खराब हो जाएगी। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने कहा है कि ईडन गार्डन्स में पिच तैयार करने पर उनकी टीम का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा कि उनकी टीम को घरेलू पिच पर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल के सत्रों में अपने घरेलू पिचों को समझने में परेशानी आई। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जहीर खान ने भी कहा कि पिच उनके अनुसार नहीं थी।

नीरज चोपड़ा वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे, विश्व एथलेटिक्स से मिला है ए श्रेणी का दर्जा

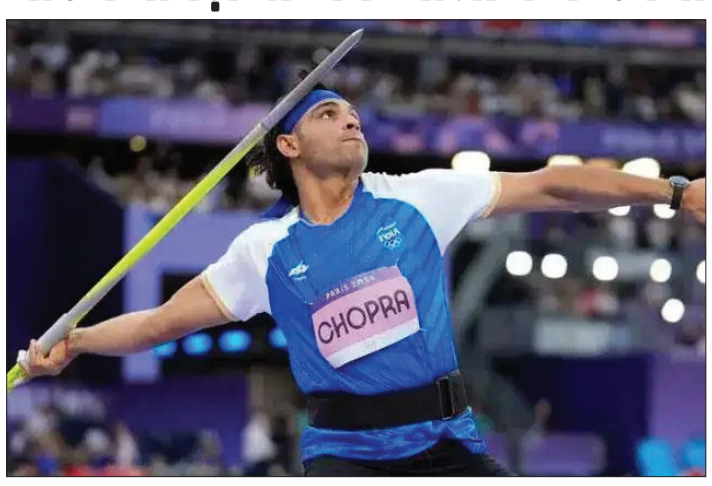

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्टार खिलाड़ियों से सजी वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में शिरकत करेंगे जिसका आयोजन 24 मई को पंचकुला में होगा। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। विश्व एथलेटिक्स की वेबसाइट ने हालांकि इस स्पर्धा को अपने 'कॉन्टिनेंटल टूर% के तौर पर सूचीबद्ध नहीं किया है। यह कैलेंडर हालांकि सत्र की शुरुआत से पहले लगाया गया था।

इससे पहले जनवरी में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने इस स्पर्धा का समर्थन करते हुए कहा था कि इससे भारत की शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की काबिलियत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी। इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में चोपड़ा भी शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के साथ मिलकर उन्होंने इस प्रतियोगिता को देश में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स इस प्रतियोगिता को विश्व एथलेटिक्स कैलेंडर में वार्षिक टूर्नामेंट बनाना चाहते हैं। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश की एथलेटिक्स छवि में सुधार आएगा।

सागू ने कहा, 'यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। वह इस टूर्नामेंट को अपने गृह राज्य में करवाना चाहते होंगे। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है।' हरियाणा के पानीपत के करीब खांद्रा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने 2012 से 2015 तक पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में ट्रेनिंग ली थी। चोपड़ा ने हाल में दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी को अपना कोच बनाया है और उनके 16 मई को दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपना सत्र शुरू करने की उम्मीद है। पंचकुला में होने वाला यह टूर्नामेंट इस सत्र में नीरज की दूसरी प्रतियोगिता होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
		सस्य फसलें	
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
		शाक दृ सब्जियाँ	
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भ्रूण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिगंटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात्बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे- अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आने-जाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ-सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर दो दिग्गजों में छिड़ी जंग

मुंबई। पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने के नाम पर दो दिग्गज नेताओं में सियासी जंग छिड़ गई है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा के नेता नितेश राणे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान को 'हिंदू राष्ट्र' बनाना चाहती है। मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह बयान दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें राउत ने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाना चाहते हैं। राणे ने लिखा, लेकिन हम पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसे ध्यान में रखें और अपनी हद में रहें। मंत्री का यह बयान शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित राउत के हालिया साप्ताहिक लेख के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने और भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाने की दिशा में ले जाने का आरोप लगाया था। इससे पहले, राणे ने छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की थी। साथ ही, उन्होंने केरल को 'मिनी पाकिस्तान' भी कहा था। बता दें कि शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्र सरकार की नजर वक्फ बोर्ड की जमीन पर है और अगला निशाना मंदिरों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों की जमीन हो सकती है। उद्धव ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के कुछ घंटे बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक पर भाजपा के कपटपूर्ण रुख और 'वक्फ की जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की उसकी चाल' का विरोध करती है।

पेड़ काटे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव को जेल भेजने की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार से हैदराबाद विश्वविद्यालय के बगल में स्थित भूखंड पर लगे बड़े वृक्षों को हटाने की मजबूरी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही अगले आदेश तक किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी। रिपोर्ट में अदालत को बताया गया कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर मामला बताते हुए न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा उसके समक्ष पेश की गई अंतरिम रिपोर्ट 'चिंताजनक तस्वीर' पेश करती है। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि अगले आदेश तक, पहले से मौजूद पेड़ों के संरक्षण के अलावा, किसी भी प्रकार की कोई गतिविधि राज्य द्वारा नहीं की जाएगी। पीठ ने तेलंगाना के मुख्य सचिव से पूछा कि राज्य द्वारा पेड़ों को हटाने समेत विकासात्मक गतिविधियां शुरू करने की तत्काल इतनी क्या मजबूरी है। मुख्य सचिव को यह भी बताने का निर्देश दिया गया कि क्या राज्य ने ऐसी गतिविधियों के लिए पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। पीठ ने पूछा कि क्या पेड़ों को काटने के लिए वन प्राधिकरण या किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण से अपेक्षित अनुमति ली गई थी। इसने कहा कि यदि राज्य के अधिकारी किसी भी निर्देश का उल्लंघन करते पाए गए, तो इसकी जिम्मेदारी राज्य के मुख्य सचिव पर होगी। अदालत ने काटे गए पेड़ों की स्थिति के बारे में भी पूछताछ की।

महाकुंभ गर्ल मोनालिसा के निर्देशक पर लगा रेप का आरोप झूठा!

– महिला ने सनोज के खिलाफ रेप का केस लिया वापस

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा के ऊपर आरोप लगने के बाद हलचल मची हुई है। हाल ही में एक महिला ने लगाया था बलात्कार का आरोप लगाना, लेकिन अब उसने रेप के आरोप को झूठा बताते हुए अपना केस वापस ले ?लिया है। इस मामले में गहराई से जांच की जा रही है। जैसा कि वीडियो में महिला ने बताया, उसने सनोज मिश्रा के साथ काम करते हुए उनकी साजिश के प्रभाव में आकर एक झूठा केस दर्ज करा दिया था। लेकिन जब उसे हकीकत का पता चला, तो उसने अपना केस वापस लेने के फैसला किया। इस खुलासे के साथ ही महिला ने अन्य नाम भी साझा किए हैं, जिन्होंने उसे धमकाया और परेशान किया था। इस मामले में जाँच की जा रही है और सच्चाई की तलाश में कदम बढ़ा जा रहा है। सनोज मिश्रा के खिलाफ लगे आरोप के बाद यह घटना दर्शकों में चौंकाने वाली है। इस संदेह की गहराई में जाने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदारी साफ होगी।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो जिलों में सुरक्षा बलों ने हाल ही में चलाए गए तलाशी अभियान में बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिले के अलग-अलग इलाकों में की गई, जहां कथित तौर पर कुकी सशस्त्र समूहों ने बंकर बनाए थे। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इन बंकरों को नष्ट कर दिया और अवैध हथियारों का जखीरा जब्त किया। यह जानकारी मणिपुर पुलिस ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है।कांगपोकपी जिले के एस.मोंगपी रिज क्षेत्र में पहले अभियान में एक 7.62 मिमी एसएलआर मैगजीन, एक .303 राइफल मैगजीन, एक सिंगल बैरल ब्रीच लोडिंग (एसबीबीएल) गन, दो 9 मिमी पिस्तौल मैगजीन, तीन एसबीबीएल गन कार्ट्रिज, तीन .303 गोला-बारूद और एक 38 मिमी एंटी-रायट कार्ट्रिज बरामद किया गया।इसके अलावा, संशोधित पोम्पी बम भी मिले, जिनमें एक लंबी दूरी का, पांच मध्यम दूरी के और दो छोटी दूरी के बम शामिल हैं। साथ ही तीन टियर स्मोक शेल और एक बाओफेंग रेडियो सेट भी जब्त किया गया।

सीएम ममता का तंज- भ्रष्ट जजों का सिर्फ स्थानांतरण होता है, शिक्षकों की छीन लेते हैं नौकरी

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि जिन जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनका केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। वहीं, शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, अगर किसी जज के घर से पैसे बरामद होते हैं, तो उसे केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। फिर इन उम्मीदवारों को क्यों बर्खास्त किया गया? मुख्यमंत्री का ये बयान उस वक्त आया जब बीते रोज सुप्रीम कोर्ट द्वारा 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द करने के फैसले दिया।

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि पहले जज, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ फैसला दिया, अब भाजपा के सांसद बन गए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और माकपा पर आरोप लगाया कि वे मिलकर इस फैसले को प्रभावित करने की साजिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री ममता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं इस देश की नागरिक हूं और मुझे हर अधिकार है। मैं इस फैसले को नहीं स्वीकार सकती। हालांकि मैं जजों का सम्मान करती हूं। मैं यह राय मानवीय दृष्टिकोण से व्यक्त कर रही हूं। कृपया भ्रम पैदा न करें। उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी, लेकिन उन्होंने विपक्षी दलों भाजपा और माकपा पर बंगाल के शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की कोशिश का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये नियुक्तियों में काफी गड़बड़ी थी, इसलिए इन्हें अवैध माना गया।ममता ने हालांकि इस बर्खास्तगी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जो लोग उचित तरीके से नियुक्त हुए थे, उन्हें भी दंडित किया गया। उन्होंने कहा, यह केवल 25,000 उम्मीदवार नहीं हैं, उनके परिवारों पर भी असर पड़ा है। ममता ने चेतावनी दी कि स्कूलों में संकट उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि अब हजारों अनुभवी शिक्षक नौकरी से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, कक्षा 9-12 बहुत महत्वपूर्ण कक्षाएं हैं, ये उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश द्वार हैं। उनमें से कई बोर्ड परीक्षा की कॉपी जांच कर रहे हैं। क्या भाजपा और माकपा चाहते हैं कि शिक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाए? इस मामले में ममता बनर्जी ने न केवल न्यायिक फैसले की आलोचना की, बल्कि बंगाल के शिक्षा क्षेत्र में संभावित संकट को लेकर भी चिंता जताई है।

केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से होगी शुरू, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें तैयारियों में जुटीं

रुद्रप्रयाग । विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होगी। इसके पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में लगी हुई हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत हो रही है। डॉ. खाती ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार कर रहे है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में जाएगी। उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को सुधारा जा रहा है। फाटा में इस बार हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर और एक्स-रे मशीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, यात्रा के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मांग शासन से की गई है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। बर्फबारी और आपदा के बाद रास्तों को सुरक्षित बनाना बड़ी चुनौती है। लेकिन, तैयारियां तेजी से चल रही हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार भी प्रशासन यात्रा को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।

जब ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने की उठी मांग, सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

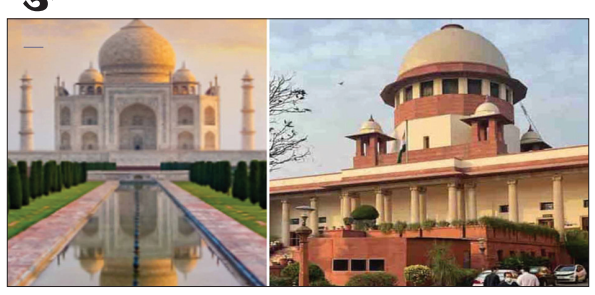

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगरा के ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने के कई दावे हुए, लेकिन बोर्ड में दर्ज नहीं हो सका। बताया जाता हैं कि एक बार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताजमहल को वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर लिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सामने शाहजहां के दस्तखत वाला वक्फनामा पेश नहीं कर सके। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने अपना दावा स्वयं वापस ले लिया था। वहीं पूर्व मंत्री और सपा नेता मो. आजम खां ने भी 2014 में ताज को वक्फ संपत्ति घोषित करने की मांग उठा दी थी। 1998 में कारोबारी इरफान बेदार ने यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड से मांग की थी कि ताजमहल को वक्फ की संपत्ति घोषित कर बोर्ड उन्हें वहां का मुतवल्ली (केयर टेकर) बना दे। यह एएसआई के तहत आता था। इसलिए सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एएसआई को नोटिस जारी किया था। इसके बाद बेदार खुद 2004 में मामले को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट पहुंचे और ताजमहल का मुतवल्ली बनाने की मांग की।

2005 में यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताज को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत करने का फैसला किया। इधर, एएसआई ने वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवाद के सभी मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकरण-वक्फ न्यायाधिकरण के पास जाने के स्थान पर सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के इस निर्णय पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से सुबूत मांगे कि कैसे दावा कर रहा है।

बता दें कि बोर्ड ने दावा किया था कि मुगल बादशाह शाहजहां ने बोर्ड के पक्ष में ताजमहल का वक्फनामा किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि शाहजहां ने वक्फनामे पर दस्तखत कैसे किए। वे जेल में थे। वह हिरासत से ही ताज देखते थे। वहीं, एएसआई की ओर से एडीएन राव एडवोकेट ने कहा था कि बोर्ड ने जैसा दावा किया है, वैसा कोई वक्फनामा नहीं है। वर्ष 2014 में आजम खान ने कहा था कि दुनिया के अजूबों में से एक ताजमहल को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि यह जायज इसलिए है क्योंकि ताजमहल दो मुसलमानों शाहजहां और उनकी पत्नी मुमताज का मकबरा है। खान ने दलील दी थी कि हर जगह मुसलमानों की कब्रें सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधीन हैं। हालांकि उनकी मांग को ये कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि ये राष्ट्रीय स्मारक के रूप में दर्ज है।

मणिपुर को लेकर राज्यसभा में सुबह 4 बजे तक हुई बहस फिर पास हुआ सांविधिक संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की पुष्टि करने वाले सांविधिक संकल्प पर सुबह 4 बजे तक बहस हुई इसके बाद उसे पास कर दिया गया। राज्यसभा ने शुक्रवार तड़के करीब चार बजे इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। उन्होंने सदन में कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था जिसके बाद राज्यपाल ने विधायकों से चर्चा की और बहुमत सदस्यों ने कहा कि वे सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर में इतनी हिंसा के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उस राज्य में जाने का मौका अभी तक नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल पर जब जबरदस्त दबाव पड़ा तो वहां के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दिया देने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में भाजपा की 'डबल इंजन सरकारबुरी तरह विफल साबित हुई है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा कि मणिपुर में 22 माह से मणिपुर के हालात खराब हैं और प्रधानमंत्री एक बार भी वहां नहीं गये। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने मणिपुर को लेकर एक गुरूर का रवैया अपना रहा है।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के अनुरूप दो महीने के अंदर राष्ट्रपति शासन की पुष्टि के लिए एक सांविधिक संकल्प केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया।शाह ने कहा कि इसके बाद कैबिनेट ने राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की जिसे राष्ट्रपति महोदया ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप मैं दो महीने के अंदर इस संबंध में सदन के अनुमोदन के लिए सांविधिक संकल्प लाया हूं।' शाह ने कहा कि सरकार की पहली चिंता मणिपुर में शांति स्थापित करने की है और वहां पिछले चार महीने से एक भी मौत नहीं हुई है और केवल दो लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वीकार करते हैं कि मणिपुर में 260 लोग जातीय हिंसा में मारे गए किंतु वह सदन को बताना चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में इससे ज्यादा लोग मारे गए।गृह मंत्री ने मणिपुर में हालात बिगड़ने के पीछे एक अदालती निर्णय को मूल कारण बताया जिसमें एक जाति को आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस अदालती निर्णय पर अगले ही दिन उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि मणिपुर में जल्द शांति हो, पुनर्वास हो और लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जाए।

खड़गे की टिप्पणी पर सभापति धनखड़ बोले– किसान का बेटा किसी से नहीं डरता

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर कहा कि वह किसान के बेटे हैं और इस देश का किसान किसी से नहीं डरता। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद रात ढाई बजे के करीब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन पर संवैधानिक संकल्प को चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। इस पर खड़गे ने अनुरोध किया कि यह चर्चा सदन की अगली बैठक में कराई जा सकती है क्योंकि अभी काफी रात हो गई है। खड़गे ने इस पर कुछ टिप्पणी की, जिसे सभापति धनखड़ ने तत्काल सदन की कार्यवाही से हटा दिया। उन्होंने खड़गे की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि भारत का किसान और किसान का बेटा किसी से नहीं डरता है। इसके बाद खड़गे ने संवैधानिक संकल्प पर चर्चा की शुरुआत की। खड़गे बोल ही रहे थे कि सभापति आसन से उठकर जाने लगे और उपसभापति हरिवंश उनकी जगह पर कार्यवाही का संचालन करने के लिए आए। इस पर कांग्रेस नेता खड़गे ने सभापति से कहा कि सर, अगर आप चले गए तो हमारा पूरा जोश चला जाएगा। खड़गे की इस टिप्पणी पर उपसभापति हरिवंश ने हंसते हुए सवाल किया, कि मेरे आने पर जोश कम हो गया? जवाब में खड़गे ने सत्ता पक्ष के सदस्यों की तरफ इशारा करते हुए कहा– नहीं, आपका फिक्स है, एक बार आप बैठते हैं तो फिर उधर ही देखते हैं। इस पर उपसभापति ने कहा कि मैं आपको ही देखता हूं।

केंद्र के साथ हिंदी विवाद के बीच तमिलनाडु को झटका, राष्ट्रपति ने एनईईटी विरोधी विधेयक किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार द्वारा मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा एनईईटी से राज्य को छूट देने के प्रयास को शुक्रवार को झटका लगा, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य को कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति देने वाले विधेयक को अस्वीकार कर दिया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा को विधेयक की अस्वीकृति की जानकारी दी, जिसे राज्य विधानमंडल ने 2021 और 2022 में दो बार पारित किया था और तब से केंद्र सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा था। पिछले साल जून में, विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें केंद्र सरकार से एनईईटी को खत्म करने और राज्यों को स्कूल के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश निर्धारित करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया था।

अस्वीकृति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, स्टालिन, जिनका अगले साल के चुनावों से पहले परिसीमन अभ्यास और हिंदी थोपने जैसे प्रमुख मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ विवाद चल रहा है, ने कहा कि तमिलनाडु का अपमान किया गया है और इसे 'संघवाद में एक काला दौर' कहा है। तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करने के बावजूद, केंद्र सरकार ने एनईईटी से छूट को अस्वीकार कर दिया है,' स्टालिन ने विधानसभा में कहा।

इसके बाद उन्होंने सभी विधायक दलों की बैठक बुलाई - परिसीमन अभ्यास के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर की गई चर्चाओं के समान, जिसके बारे में सत्तारूढ़ छ्रस्त्र्व का तर्क है कि इससे लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और केंद्र में उनका प्रभाव कम हो जाएगा - ताकि अगली कार्रवाई का निर्धारण किया जा सके। स्टालिन ने एनईईटी के खिलाफ अपनी लंबे समय से चली आ रही लड़ाई के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो 2017 से मेडिकल प्रवेश के लिए अनिवार्य है।

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अमित शाह इस माह तीन राज्यों का करेंगे दौरा

–बिहार में बीजेपी मजबूत, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में मिल रही चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस माह बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु जाएंगे। बीजेपी बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखना चाहती है और दो अन्य राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि शाह इन राज्यों में चुनाव तक करीब हर महीने बीजेपी की संगठनात्मक बैठकें लेंगे। उन्होंने बताया कि उनके 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में और 30 अप्रैल को बिहार जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं, साथ ही असम, केरल और पुडुचेरी में भी चुनाव होने हैं। बिहार में एनडीए सरकार में बीजेपी सबसे बड़ी सहयोगी है, जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल हैं। जेडी(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार करीब 20 साल से राज्य के सीएम हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बीजेपी को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रयासों को अब तक केवल आंशिक सफलता ही मिली है क्योंकि यह सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरी है, लेकिन 2011 से उनके निरंतर शासन को समाप्त करने के अपने प्रयासों में विफल रही है। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर अपने हस्तक्षेप के दौरान अमित शाह ने राज्य की राजनीति से संबंधित टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के कटाक्षों का सामना करने के बाद शाह ने बनर्जी से संसद में बहस को राजनीतिक लाभ के लिए युद्ध का मैदान न बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि बीजेपी को बंगाल में इस बार ज्यादा सीटें मिलेंगी। 2021 में 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा में टीएमसी ने 215 और बीजेपी ने 77 सीटें जीती थीं। वहीं तमिलनाडु में हमेशा हाशिए पर रहने वाली बीजेपी से व्यापक रूप से मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के साथ अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है, ताकि दक्षिणी राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को टक्कर दी जा सके, जहां 2021 में सत्ता में आने के बाद से मौजूदा गठबंधन प्रमुख रहा है। एआईएडीएमके नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने हाल ही में शाह से मुलाकात की, जिससे दोनों दलों के एक साथ आने की संभावना बढ़ गई है।

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ कई देशों ने किया पलटवार, जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि जो देश अमेरिकी सामानों पर भारी टैरिफ लगाते हैं, उन्हें अब उसी तरह का जवाबी शुल्क झेलना पड़ेगा। इस घोषणा के बाद कुछ देशों ने ट्रंप के खिलाफ पलटवार की तैयारी शुरू कर दी है, जबकि कुछ डील की तलाश में शांत रुख अपनाए हुए हैं। टैरिफ योजना 9 अप्रैल से प्रभावी होगी, यानी अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के पास कुछ दिन हैं ट्रंप प्रशासन से समझौता करने के लिए। लेकिन कई देश इस योजना के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में हैं। कनाडा ने साफ तौर पर कहा है कि वह अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। यूरोपीय संघ ने भी तीखा रुख अपनाया है। फ्रांस की सरकारी प्रवक्ता सोफी प्रीमा ने कहा कि ईयू व्यापार युद्ध के लिए तैयार है और अमेरिकी ऑनलाइन सेवाओं पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि ईयू दो चरणों में प्रतिक्रिया देगा - मध्य अप्रैल तक स्टील और एल्युमिनियम पर शुरुआती जवाबी कार्रवाई, अप्रैल के अंत तक सभी अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं पर विस्तृत जवाबी टैरिफ।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा।ताइवान ने टैरिफ को बेहद अनुचित बताया। कैबिनेट प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा कि ताइपे को ट्रंप द्वारा अपने निर्यात पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पर गहरा खेद है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनके देश पर लगाया गया अमेरिकी शुल्क पूरी तरह से अनुचित है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के नॉरफॉक द्वीप पर लगाए गए 29 प्रतिशत शुल्क ने सभी हैरान हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र की आबादी महज 2,000 लोगों की है और इसकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय संघ पर नए 20 प्रतिशत टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए इस उपाय को विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा, दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए इसके परिणाम भयानक होंगे। उन्होंने कहा कि किराने का सामान, परिवहन और दवाइयों की कीमतें बढ़ जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

आव्रजन विभाग ने छापा मारकर 37 लोगों को पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के संघीय आव्रजन विभाग ने एक छत बनाने वाली कंपनी के ठिकाने पर छापा मारकर 37 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह छापेमारी की कार्रवाई उत्तरी वॉशिंगटन में की गई। छापेमारी में आव्रजन विभाग के साथ ही होमलैंड सिक्योरिटी, कस्टम, और बॉर्डर पेट्रोल के जवान शामिल रहे, जिन्होंने माउंट बेकर रूफिंग कंपनी के गोदाम में सुबह साढ़े सात बजे छापा मारा। यह इलाका कनाडा सीमा के नजदीक है। हिरासत में लिए गए लोगों को दो बसों में ले जाया गया। आव्रजन विभाग को सूचना मिली थी कि यहां अवैध अप्रवासी ठहरे हुए हैं। आव्रजन विभाग का कहना है कि ट्रंप प्रशासन के शुरुआती 50 दिनों में 32,809 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यमन में हवाई हमले में छह की मौत, हूतियों ने अमेरिका पर लगाया आरोप

सना, एजेंसी। बुधवार को एक हवाई हमले में यमन में छह लोगों की मौत हो गई। यह हवाई हमला यमन में हूतियों के नियंत्रण वाले इलाकों में किया गया। हूतियों ने इस हमले का आरोप अमेरिका पर लगाया है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है। ये हमले हूतियों द्वारा मध्य पूर्व के समुद्री इलाकों में व्यापारिक जहाजों पर हमले के बदले किए जा रहे हैं। अमेरिका की इस कार्रवाई को ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। मंगलवार को भी अमेरिका ने यमन में 200 से ज्यादा हमले किए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि इन हमलों से ईरान काफी कमजोर हुआ है। हालांकि अभी तक हूतियों ने इन हमलों में उनके किसी बड़े नेता की मौत की पुष्टि नहीं की है।

स्पाइसजेट, एअर इंडिया एक्सप्रेस नेपाल से उड़ानें शुरू करेंगे

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली उड्डयन प्राधिकरण ने पाइसजेट और एअर इंडिया एक्सप्रेस को काठमांडो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) से उड़ानें संचालित करने की मंजूरी दी है। प्रवक्ता हंस राज पांडे के मुताबिक, कोविड-19 महामारी से पहले स्पाइसजेट नेपाल के लिए नियमित उड़ानें संचालित करती थी। अब यह दोबारा उड़ानें संचालित करेगी।

भारतीय समुद्री दिग्गज विजय रीकैप आईएससी के ईडी बने

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय समुद्री दिग्गज विजय डी. चाफेकर को सिंगापुर में समुद्री और सशस्त्र डकैती से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग समझौते (रीकैप) सूचना साझाकरण केंद्र का नया कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया गया है।

गाजा में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित कर रहा इस्राइल, बढ़ते तनाव के बीच नेतन्याहू की घोषणा

गाजा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के जारी संघर्ष के बीच इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस्राइल गाजा क्षेत्र में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित कर रहा है। बुधवार को एक बयान में कहा कि इस सुरक्षा गलियारे को मोराग कॉरिडोर नाम दिया गया है, जो राफा और खान यूनिस के बीच स्थित एक यहूदी बस्ती के नाम पर रखा गया है। नेतन्याहू ने बताया कि यह गलियारा इस्राइल के दो दक्षिणी शहरों के बीच चलेगा। बता दें कि इस नए सुरक्षा गलियारे का उद्देश्य गाजा में इस्राइल की सुरक्षा बढ़ाना और क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। साथ ही नेतन्याहू ने कहा कि यह कदम इस्राइल की सुरक्षा के लिए जरूरी है और गाजा में हमलावरों से निपटने के लिए यह एक महत्वपूर्ण रणनीति होगी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बुधवार को हंगरी पहुंचे। हालांकि, गाजा पट्टी में युद्ध को लेकर इस्राइली नेता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। नेतन्याहू की बुडापेस्ट की चार दिवसीय यात्रा, प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों का संकेत है। हंगरी अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के प्रति ओर्बन के बढ़ते अविश्वास का संकेत है। बता दें कि हंगरी भी आईसीसी का सदस्य है, लेकिन नेतन्याहू के करीबी ओर्बन ने आईसीसी के वारंट की अनदेखी कर दी है। ओर्बान ने नीदरलैंड के हेग में स्थित दुनिया की शीर्ष अदालत पर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चल रहे संघर्ष में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है।

मेटा ने नहीं माना तुर्किये सरकार का फरमान, कंटेंट प्रतिबंधित करने से इनकार पर लगाया गया तगड़ा जुर्माना

कैलिफोर्निया, एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा पर तुर्किये सरकार ने जुर्माना लगाया है। मेटा का कहना है कि उस पर यह जुर्माना तुर्किये सरकार के कुछ कंटेंट को ब्लॉक करने का फरमान न मानने पर लगाया गया है। हालांकि मेटा ने यह नहीं बताया कि जुर्माना कितना का है, लेकिन इसे काफी अधिक बताया। मेटा का कहना है कि उसने रेसप तैयप एर्दोआन सरकार के फेसबुक और इंस्टाग्राम से कुछ पोस्ट हटाने की बात इसलिए नहीं मानी, क्योंकि उसे लगा कि ये पोस्ट जनता के लिए अहम हैं। मेटा ने कहा, हमने तुर्किये सरकार के उन अनुरोधों को खारिज कर दिया, जिनमें साफ तौर पर सार्वजनिक हित में कंटेंट को प्रतिबंधित करने के लिए कहा गया था। मेटा ने आगे कहा कि तुर्किये सरकार की कंटेंट हटाने की मांग और सोशल मीडिया को बंद करने की धमकियां लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नकारात्मक असर डालती हैं। बताते चलें कि इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी पर व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से ही राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार सोशल मीडिया पर विपक्षी आवाजों को दबाने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं।

जवाबी टैरिफ का दुनियाभर में विरोध, इटली ने बताया गलत तो ब्राजील जाएगा डब्ल्यूटीओ

रोम/लंदन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जवाबी टैक्स लगाने की घोषणा कर दी है। ट्रंप ने तमाम देशों पर अलग-अलग दरों पर टैरिफ लगाया है। इसे लेकर पूरी दुनिया ने प्रतिक्रिया दी है। कुछ देशों टैरिफ का समर्थन किया है। जबकि कुछ देशों ने टैरिफ को गलत बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ वही करेगा, जो वे दशकों से अमेरिका के साथ करते आ रहे हैं। करदाताओं को 50 से अधिक साल से लूटा जा रहा है। लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। ट्रंप ने कहा कि राष्ट्रपति ने वादा किया कि नौकरियां और कारखाने हमारे देश में वापस आएंगे। उन्होंने इसे केवल एक आर्थिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा बताया।

ब्रिटेन ने कहा- कोई व्यापार युद्ध नहीं चाहता : ट्रंप के जवाबी टैरिफ का ब्रिटेन ने समर्थन किया। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि अमेरिका ब्रिटेन का सबसे करीबी सहयोगी है। व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि ब्रिटेन को उम्मीद है कि वह ट्रंप द्वारा घोषित ब्रिटिश वस्तुओं पर 10 फीसदी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापार सौदा करेगा। कोई भी व्यापार युद्ध नहीं चाहता है और हमारा इरादा समझौता करने का है। सरकार ब्रिटेन के राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

इटली ने टैरिफ को बताया गलत : इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय संघ पर लगाए गए 20 फीसदी टैरिफ को गलत बताया। मेलोनी ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि हम अमेरिका के साथ एक समझौते की दिशा में काम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इसका उद्देश्य एक व्यापार युद्ध से बचना है जो अनिवार्य रूप से अन्य वैश्विक खिलाड़ियों के पक्ष में पश्चिम को कमजोर करेगा।

डब्ल्यूटीओ में उठाएंगे मुद्दा- ब्राजील : ब्राजील सरकार ने टैरिफ के मुद्दे को डब्ल्यूटीओ में लेकर जाने की बात कही है। ब्राजील ने कहा कि हम मामले को विश्व व्यापार संगठन में ले जाने के बारे में सोच रहे हैं। ब्राजील की कांग्रेस ने सर्वसम्मति से एक पारस्परिकता विधेयक पारित किया। ताकि वह ब्राजील के सामानों पर टैरिफ लगाने वाले किसी भी देश या व्यापार समूह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर सके।

ऑस्ट्रेलिया ने किया विरोध : ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पूरी तरह से अनुचित है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने पारस्परिक टैरिफ का उल्लेख किया। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता है। यह एक दोस्त का काम नहीं है।ऑस्ट्रेलियाई सरकार के प्रतिनिधि नॉरफॉक द्वीप के प्रशासक जॉर्ज प्लांट ने कहा कि नॉरफॉक द्वीप के छोटे से दक्षिण प्रशांत चौकी पर लगाया गया 29त्न टैरिफ एक झटके के रूप में आया। हम संयुक्त राज्य अमेरिका को कुछ भी निर्यात नहीं करते हैं। हम किसी भी चीज पर टैरिफ नहीं लगाते हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका-यूरोपीय संघ : डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यूरोपीय संघ पर लगाए गए 20 फीसदी टैरिफ की यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका है और इसके परिणाम लाखों लोगों के लिए भयंकर होंगे।किराने का सामान, परिवहन और दवाइयां महंगी हो जाएंगी। इससे कमजोर नागरिकों को नुकसान होगा। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि विश्व व्यापार प्रणाली में कमियां हैं। यूरोपीय संघ अमेरिका के साथ बातचीत और जवाबी कार्रवाई के लिए भी तैयार है।

चीन ने की जवाबी कार्रवाई की तैयारी : चीन ने कहा कि वह अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का विरोध करता है और अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करेगा। वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयु ने कहा कि अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने पर चीन का विरोध हमेशा से सुसंगत और स्पष्ट रहा है। चीन का मानना है कि संरक्षणवाद कहीं नहीं ले जाता है। व्यापार और टैरिफ युद्धों में कोई विजेता नहीं होता है।

यूरोप को जवाब देने की जरूरत : इटली के इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिकल स्टडीज के वरिष्ठ विश्लेषक मैटेओ विला ने कहा कि एक बार फिर ट्रंप ने यूरोप को चौराहे पर खड़ा कर दिया है। अगर ट्रंप वाकई उच्च टैरिफ लगाते हैं, तो यूरोप को जवाब देना होगा, लेकिन यूरोपीय संघ के लिए कुछ भी न करना बेहतर होगा। विला ने कहा कि जवाबी कार्रवाई निश्चित रूप से अमेरिका के लिए एक और झटका होगी, लेकिन इससे यूरोप को और भी अधिक नुकसान होगा, क्योंकि यूरोपीय संघ का समूह अमेरिका के बजाय अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर करता है। विला ने कहा कि ट्रंप केवल बल की भाषा समझते हैं और यहां एक मजबूत और तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। उम्मीद यह है कि प्रतिक्रिया इतनी मजबूत होगी कि ट्रंप बातचीत करने के लिए प्रेरित होंगे और जल्द ही पीछे हट जाएंगे।

दूषित स्ट्रीट फूड खाने से 100 से अधिक बीमार, जांच में जुटी पुलिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में ईद के अवसर पर आयोजित एक मेले में दूषित स्ट्रीट फूड खाने से बच्चों सहित 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। इस घटना के बाद देश में खाद्य सुरक्षा मानकों में गिरावट को लेकर चिंता बढ़ गई है। 95 बीमार लोगों को जेसोर के अभयनगर उप जिला में भर्ती कराया गया। वहीं, 10 को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद से स्ट्रीट फूड विक्रेता फरार है। एक मरीज ने प्रमुख दैनिक प्रोथोम आलो को बताया, रात को घर लौटने के बाद हम सभी बीमार हो गए। हमें मंगलवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया। ड्यूटी डॉक्टर रघुराम चंद्र ने कहा कि यह स्थिति भोजन में बैक्टीरिया के कारण हुई है। अधिकांश रोगियों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार का अनुभव हुआ। एक पीड़ित परिवार के सदस्य ने कहा, मेरा पूरा परिवार सोमवार रात ईद के मेले में गया था और उस दुकान से फुचका खाया। रात को घर आने के बाद सभी बीमार हो गए। मैंने फुचका नहीं खाया और बच गया। मैंने उसी रात सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। बीमार पड़ने वालों में चार की हालत गंभीर थी, इसलिए मैंने उन्हें खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की खबर लगने के बाद पुलिस फुचका विक्रेता की तलाश कर रही है। अभय नगर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुल अलीम ने कहा, हमें घटना के बारे में पता चला है। हम व्यापारी की तलाश कर रहे हैं। इस घटना ने बांग्लादेश में खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में, स्थानीय मीडिया ने बताया कि देश में घटिया उत्पादों की बढ़ती मांग बांग्लादेश में गंभीर चिंता का विषय बन गई है। मोहम्मद यूनुस की अनुपस्थिति के कारण अंतरिम सरकारी हस्तक्षेप ने अतिरिक्त लाभ के लिए घटिया उत्पाद बेचने की बढ़ती प्रथा को जन्म दिया है।

जॉर्डन और मिस्र ने गाजा में स्थायी युद्धविराम के प्रयासों पर चर्चा की

अम्मान, एजेंसी। जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी और मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती ने गाजा में स्थायी युद्धविराम सुनिश्चित करने के प्रयासों पर चर्चा की। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बुधवार को फोन पर हुई बातचीत के दौरान दोनों मंत्रियों ने गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों और पश्चिमी तट में उसकी बढ़ती गतिविधियों को रोकने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने तत्काल अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान किया, ताकि गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सभी क्रॉसिंग खोलने, चल रहे मानवीय संकट का समाधान करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठन अपने कर्मचारियों की सुरक्षा करते हुए बिना किसी बाधा के काम कर सकें, इजरायल पर दबाव डाला जा सके। उन्होंने उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के चिकित्सा क्लिनिक को इजरायल द्वारा निशाना बनाए जाने की निंदा की तथा इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून तथा युद्ध के समय नागरिकों की सुरक्षा पर 1949 के जिनेवा कन्वेंशन का उल्लंघन बताया। उन्होंने इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमार बेन-ग्वीर द्वारा अल-अक्सा मस्जिद परिसर पर हमला करने जैसी चल रही इजरायली उकसावे की कार्रवाई की निंदा की।

भारतवंशी सांसदों ने ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले को बताया आत्मघाती, बोले- अमेरिकी अर्थव्यवस्था को खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को गैर जिम्मेदाराना और आत्मघाती करार दिया। भारतवंशी सांसदों ने अमेरिका और भारत दोनों देशों के नेताओं से अपील की कि वे बातचीत कर इस चुनौती से निपटें। बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगाने का एलान किया है। ट्रंप ने इसका एलान करते हुए कहा कि भारत हम पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो हम उस पर उसका आधा यानी 26 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे।

वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ जाएगा अमेरिका : भारतवंशी अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि टैरिफ लगाने से कामकाजी परिवारों पर टैक्स का बोझ पड़ेगा ताकि ट्रंप अमीरों पर लगने वाले टैक्स में कटौती कर सकें। उन्होंने कहा कि ये कथित मुक्ति दिवस के टैरिफ गैर-जिम्मेदाराना और आत्मघाती साबित होंगे। इससे इलिनोइस के लोगों पर आर्थिक दबाव बनेगा, जबकि वे पहले से ही आर्थिक मुश्किलों से घिरे हैं। कृष्णमूर्ति इलिनोइस राज्य से ही सांसद हैं। उन्होंने कहा कि टैरिफ लगाने के चलते अमेरिका वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ जाएगा। इससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर विपरीत असर पड़ेगा और इसके विरोधियों को फायदा होगा। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तबाह

करने की कोशिश भारतवंशी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा देश मंदी का शिकार हो जाए, उससे पहले अमेरिकी लोगों को ट्रंप से अपनी विनाशकारी टैरिफ नीतियों को खत्म करने की अपील करनी चाहिए। टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। एक अन्य भारतवंशी सांसद रो खन्ना ने कहा कि ट्रंप रातों-रात बिना किसी रणनीति, बिना किसी परामर्श, बिना किसी संसदीय इनपुट के टैरिफ लगाकर हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। इसका क्या मतलब है? कीमतें बढ़ने वाली हैं। कारों की कीमतें बढ़ रही हैं। किराने के सामान की कीमतें बढ़ रही हैं। घर की मरम्मत और घर बनाने की कीमतें बढ़ रही हैं, और पूरी तरह से अनिश्चितता का माहौल है। अमेरिकी उपभोक्ताओं पर सालाना 2500-15000 डॉलर अतिरिक्त खर्च करने पड़ेंगे भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि मैं साफ कर दूं कि ये टैरिफ अमेरिका को फिर से अमीर नहीं बनाएंगे। ये लागत आप पर डाली जाएगी- अमेरिकी उपभोक्ता पर। यह कर कटौती नहीं है। बल्कि यह कर वृद्धि है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सलाहकार रहे और हवाईयन/प्रशांत द्वीपसमूह आयोग के आर्थिक उपसमिति के सह-अध्यक्ष भारतवंशी अजय भुतोरिया का कहना है कि टैरिफ के चलते भारतीय वस्तुओं- जैसे कपड़ा और फार्मास्यूटिकल्स महंगे हो सकते हैं। वहीं टैरिफ ऑटोमोबाइल, किराने का सामान, चिकित्सा आपूर्ति और अनगिनत अन्य उत्पादों की लागत बढ़ जाएगी। इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को सालाना 2,500 से 15,000 डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा।

युगांडा की मलेरिया के खिलाफ लड़ाई, 1.1 मिलियन बच्चों को लगाए जाएंगे टीके

कंपाला, एजेंसी। युगांडा ने एक ऐतिहासिक मलेरिया टीकाकरण अभियान शुरू किया, जिसका लक्ष्य दो साल से कम उम्र के 1.1 मिलियन बच्चों को टीका लगाना है, जो अब तक का सबसे बड़ा अभियान है। प्रधानमंत्री रोबिनाह नब्बांजा ने बुधवार को उत्तरी युगांडा के अपाक जिले के बूमा ग्राउंड्स में टीकाकरण अभ्यास के आधिकारिक शुभारंभ की अध्यक्षता की। अभियान का उद्देश्य छह से 18 महीने की उम्र के बच्चों को आर21/मैट्रिक्स-एम इंजेक्शन योग्य टीका लगाना है।

नब्बांजा ने कार्यक्रम में कहा, यह हमारे देश को मलेरिया के भारी बोझ से मुक्त करने की दिशा में एक साहसिक कदम है, एक ऐसी बीमारी जिसने बहुत लंबे समय से हमारे बच्चों के भविष्य को छीन लिया है, हमारी स्वास्थ्य प्रणाली को कमजोर कर दिया है और हमारी सामाजिक-आर्थिक प्रगति में बाधा उत्पन्न की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मलेरिया और अन्य रोकथाम योग्य बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण, अपने बच्चे को जीवन भर सुरक्षित रखें थीम के तहत अभियान उच्च से

मध्यम मलेरिया ट्रांसमिशन रेट्स वाले 146 में से 105 जिलों में चलाया जाएगा। 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा इसकी पूर्व-योग्यता और अनुशंसा के बाद से, यह टीका मलेरिया की रोकथाम में एक आवश्यक उपकरण साबित हुआ है। नैदानिक परीक्षणों के तीन चरणों के बाद, इसे बीमारी के बोझ को कम करने और बाल मृत्यु दर को कम करने के तौर पर एक गेम-चेंजर के रूप में देखा गया है। इस रोलआउट ने युगांडा को मलेरिया के टीके को अपने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करने वाला 19वां अफ्रीकी देश बना दिया। युगांडा में डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि कासोंडे मविंगा ने लॉन्च कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, नियमित टीकाकरण में मलेरिया के टीके को शामिल करके, युगांडा अपने बच्चों की सुरक्षा, जीवन बचाने और एक स्वस्थ भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक साहसिक कदम उठा रहा है। युगांडा की स्वास्थ्य मंत्री जेन रूथ एसेंग ने मलेरिया के खिलाफ देश की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर के रूप में इसकी शुरुआत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इससे बच्चों में प्रतिदिन मलेरिया के कम से कम 800 गंभीर मामलों को रोकने और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करने की उम्मीद है। उन्होंने माता-पिता और स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि बच्चे सभी चार खुराकें पूरी करें - छह, सात, आठ और 18 महीने की उम्र में दी जाने वाली खुराक - ताकि उन्हें बेहतर सुरक्षा मिले। इस टीके की शुरुआत युगांडा के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को 14 बच्चों के टीकों तक बढ़ा देती है - स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, यह अफ्रीका में सबसे व्यापक टीकों में से एक है।

अमेरिका में भारतीय युवक को 35 साल जेल की सजा, सोशल मीडिया एप के जरिए करता था बच्चों का यौन शोषण

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की संघीय अदालत ने एक भारतीय नागरिक को 35 साल की जेल की सजा सुनाई है। युवक एक सोशल मीडिया एप के जरिए बच्चों को यौन शोषण करता था। जब नाबालिग ने उसकी बात मानने से इन्कार कर देते तो वह धमकी देता था। यूएस अटॉर्नी रॉबर्ट ट्रॉस्टर ने कहा कि एडमंड ओक्लाहोमा में अप्रवासी वीजा पर रहने वाले 31 वर्षीय भारतीय नागरिक साई कुमार कुर्रेमुला को यूएस डिस्ट्रिक्ट जज चार्ल्स गुडविन ने तीन बच्चों के यौन शोषण और बाल पोर्नोग्राफी के लिए 420 महीने की सजा सुनाई गई है। गुडविन ने बताया कि कुर्रेमुला ने पीड़ितों को ऐसा आघात पहुंचाया जो उनके जीवनभर उनके और उनके परिवारों को परेशान करेगा। पिछले साल अप्रैल में कुर्रेमुला पर बच्चों के यौन शोषण और बाल पोर्नोग्राफ़ी के परिवहन का आरोप लगाया था। एक आपराधिक शिकायत के बाद अक्तूबर 2023 में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एक सोशल मीडिया मैसेजिंग ऐप पर एक खाते की जांच शुरू की। इसमें कुर्रेमुला का अकाउंट था। वह नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण कर रहा था। एफबीआई एप पर बने आरोपी के अकाउंट के आईपी एड्रेस के जरिए कुर्रेमुला तक पहुंची। सुनवाई के दौरान एफबीआई ने कोर्ट को बताया कि उसने सोशल मीडिया मैसेजिंग एप से कम से कम 19 नाबालिगों का यौन शोषण किया था। अक्सर अपने पीड़ितों का विश्वास जीतने के लिए वह 13-15 साल का लड़का बन जाता। जब पीड़ितों ने उसकी बात मानने से इन्कार कर दिया तो उसने पीड़ितों को बाल पोर्नोग्राफ़ी बनाने के लिए हेरफेर, धमकी और जबरन वसूली की। कुर्रेमुला ने दोषी होने की दलील दी। उसने तीन नाबालिग पीड़ितों का यौन शोषण करने और जानबूझकर बाल पोर्नोग्राफी की करने बात स्वीकार की। कुर्रेमुला ने स्वीकार किया कि नाबालिग पीड़ितों को बात मनवाने के लिए वह धमकी देता था। उसने एक नाबालिग को धमकी दी कि वह उसके घर जाएगा और उसके माता-पिता को उसकी तस्वीरें दिखाएगा। जबकि दूसरी पीड़िता को धमकी दी कि वह उसके घर आएगा और उसके परिवार को गोली मार देगा। उसने तीसरी युवती से कहा कि वह उसकी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक कर देगा। अटॉर्नी ट्रॉस्टर ने कहा कि अभियुक्त का कई बच्चों का शोषण, हेरफेर और जबरदस्ती करना, न्यायालय द्वारा लगाए गए 35 साल के कारावास को उचित ठहराता है। एफबीआई के ओक्लाहोमा सिटी के विशेष एजेंट इन चार्ज डग गुडवाटर ने कहा कि कुर्रेमुला ने बच्चों को अपने विकृत संतुष्टि के लिए स्पष्ट चित्र भेजने के लिए प्रेरित किया। इन घृणित कार्यों ने पीड़ितों की मासूमियत छीन ली और उनको नुकसान पहुंचाया।

भारत अनोखे सर्टिफिकेट मांगता है, जिनकी वजह से अमेरिकी उत्पादों को बेचना मुश्किल, व्हाइट हाउस का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय समयनुसार, बुधवार देर रात दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। अब व्हाइट हाउस ने भारत पर अनोखे प्रमाण पत्र मांगने का आरोप लगा दिया है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा है कि भारत रसायन, दूरसंचार उत्पादों और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों में अनोखे और बोझिल प्रमाण पत्र मांगता है, जिनके चलते अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में अपने उत्पाद बेचने मुश्किल हो जाते हैं।

कई देशों ने अमेरिका का फायदा उठाया : व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा है कि भारत रसायन, दूरसंचार उत्पादों और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों में बोझिल और अनोखे परीक्षण और प्रमाणन आवश्यकताओं को लागू करता है, जो अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में अपने उत्पादों को बेचना या तो मुश्किल हो जाता है या फिर महंगा हो जाता है। अगर इन बाधाओं को हटा दिया जाता है, तो अनुमान है कि अमेरिकी निर्यात में सालाना कम से कम 5.3 अरब डॉलर की वृद्धि होगी। ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, यह भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए जाने वाले 52 प्रतिश शुल्क का आधा है। ट्रंप ने भारत के टैरिफ को बहुत कठोर बताया। व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ अन्य देशों द्वारा लगाए गए गलत टैरिफ और इससे पैदा हुई असमानताओं को दूर करेंगे और अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों के लिए मौके बनाएंगे। पीढ़ियों से, कई देशों ने अमेरिका का फायदा उठाया है और हम पर उच्च दरों पर टैरिफ लगाया है।

व्हाइट हाउस ने बताया टैरिफ का अंतर : व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका यात्री वाहन

आयात पर 2.5 प्रतिशत टैरिफ लगाता है, जबकि यूरोपीय संघ (10 प्रतिशत) और भारत (70 प्रतिशत) एक ही उत्पाद पर बहुत अधिक शुल्क लगाते हैं। नेटवर्किंग स्विच और राउटर के लिए अमेरिका जीरो प्रतिशत टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत 10-20 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। चावल के लिए, अमेरिका 2.7 प्रतिशत का टैरिफ लगाता है, जबकि भारत (80 प्रतिशत), मलेशिया (40 प्रतिशत), और तुर्की (31 प्रतिशत) काफी ज्यादा टैरिफ लगाते हैं। सेब के आयात पर अमेरिका में कोई शुल्क नहीं लगता, लेकिन तुर्की (60.3 प्रतिशत) और भारत (50 प्रतिशत) में ऐसा नहीं है।

चीन पर भी लगाए आरोप : व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में कहा गया है, अमेरिका सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (स्नह्र) पर साधारण औसत टैरिफ दरें 3.3 प्रतिशत हैं, जबकि हमारे कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों, जैसे ब्राज़ील (11.2 प्रतिशत), चीन (7.5 प्रतिशत), यूरोपीय संघ (5 प्रतिशत), भारत (17 प्रतिशत) और वियतनाम (9.4 प्रतिशत) में स्नह्र पर साधारण औसत टैरिफ दरें काफी अधिक हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि चीन की गैर-बाजार नीतियों और प्रथाओं ने चीन को विनिर्माण उद्योगों में वैश्विक प्रभुत्व दिया है, जिससे अमेरिकी उद्योग नष्ट हो गया। साल 2001 और 2018 के बीच, इन वजहों से अमेरिका-चीन व्यापार घाटे में वृद्धि के कारण 37 लाख अमेरिकी नौकरियां गईं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

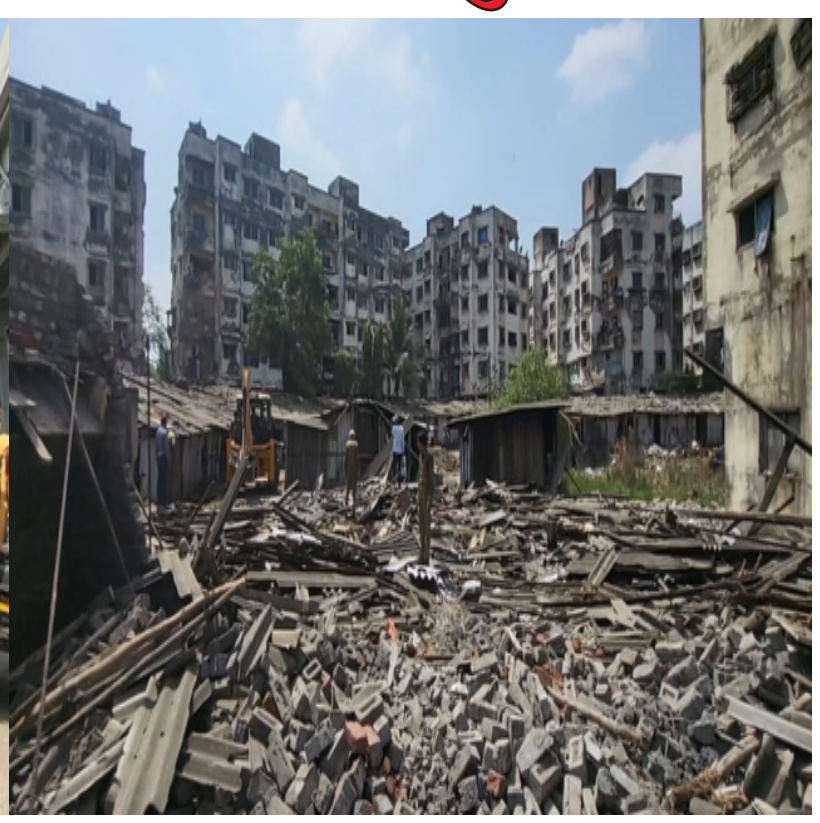

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन GIDC पुलिस थाना क्षेत्र मे असामाजिक तत्व जीवन भरवाड द्वारा अतिक्रमण किए गए जमीन पर चला बुलडोजर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, गुजरात में चल रहे असामाजिक तत्वों की अवैध सम्पत्ति को जमींदोज, सूरत मे मनपा के सहयोग से पुलिस बल की मौजूदगी में आमजन पर सितम ढाने वालों की अवैध सम्पत्ति को ढहाया जा रहा है। गुजरात के अहमदाबाद के वस्त्राल में असामाजिक तत्वों के खुलेआम सड़कों पर दहशतगर्दी के बाद पुलिस ने कार्रवाई का बुलडोजर और हथौड़े का प्रयोग शुरू किया है। गुजरात पुलिस ने राज्य भर में हजारो असमाजिक तत्वों की सूची बनाई गई है, जो बुटलेगर, नशीले पदार्थ, सरकारी जमीन का कब्जा करने, जुआ समेत अनेक असामाजिक कृत्यों में संलग्न होकर अवैध सम्पत्ति बना रहे हैं। इसी बीच सूरत शहर के सचिन GIDC क्षेत्र मे भी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बैठे जमीन पर सचिन GIDC पुलिस का बुलडोजर चला।

शुक्रवार को सुबह सूरत के सचिन GIDC क्षेत्र में असामाजिक तत्व जीवन भरवाड की अवैध सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाया गया।

जीवन भारवाड के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। सचिन GIDC के पुलिस इंस्पेक्टर के पी गमित ने बताया कि क्षेत्र मे एक असामाजिक तत्व है। जिसका नाम जीवन भरवाड है, उसके खिलाफ सचिन GIDC पुलिस थाना मे 4 मामले दर्ज हैं। वर्ष 2022 मे उसके खिलाफ पासा की गई थी। हाल ही मे DG सर की सूचना अनुसार अलग अलग पुलिस द्वारा असामाजिक तत्व की सूची तैयार की गई है। असामाजिक तत्व की तैयार सूची मे जीवन भरवाड का भी नाम है। जीवन भरवाड ने सचिन GIDC क्षेत्र मे करीब 15 वर्ष से सरकारी खाड़ी की जगह पर 100 से अधिक पतरे के घर ओर दुकान बनाए है। जिसको मनपा की टीम के साथ संकलन कर जमींदोज किए गए।

DCP ZONE 6 राजेश परमार ने बताया की गुजरात राज्य मे 100 घंटे की ड्राइव की तहत आरोपियों के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। इसी के तहत सचिन GIDC पुलिस थाना क्षेत्र मे जीवन भरवाड ओर उसकी टीम द्वारा सरकारी खाड़ी की जगह पर अतिक्रमण कर बनाए गए 100 से अधिक पतरे के घर ओर दुकान पर मनपा की टीम द्वारा बुलडोजर चला कर जमींदोज किया गया है।

लापता बच्ची को ढूंढने के लिए पुलिस ने उड़ाया ड्रोन-CCTV में मिला सुराग

12 घंटे से लापता बच्ची को 45 मिनट में खोज निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस की स्मार्ट वर्किंग, CCTV फुटेज का तार्किक विश्लेषण और ड्रोन टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल... जी हाँ, इन तीनों के संयोजन से जब 12 घंटे से लापता 8 साल की मासूम बच्ची अपने घर सुरक्षित लौटी, तब आँसू भरी आँखों से माता-पिता ने पुलिस का धन्यवाद किया।

सूरत शहर, जहाँ अक्सर बच्चियों के साथ दुष्कर्म और अपहरण जैसे केस सामने आते हैं, वहीं एक मासूम बच्ची को पढ़ाई को लेकर डांट मिलने पर गुस्से में आकर वह घर से यह कहकर निकल गई –मैं खेलने जा रही हूँ।

एक घंटा बीता... दो घंटे... तीन घंटे... लेकिन बच्ची वापस नहीं लौटी। चिंतित माता-पिता अपनी लाडली को खोजने सूरत की हर गली में भटकने लगे। उन्हें पता ही नहीं चला कि कब शाम ढल गई और रात हो गई।

आखिरकार, थके-हारे और डरे हुए माता-पिता रात करीब 8 बजे उधना पुलिस स्टेशन पहुंचे और अपनी बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

माता-पिता की हालत और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत सक्रियता दिखाई और बच्ची की तलाश के लिए 5 टीमों का गठन किया।

हालाँकि, पुलिस के लिए चुनौती भी बड़ी थी — अंधेरा, भीड़ और डरी-सहमी बच्ची। लेकिन सूरत पुलिस ने कमाल की सूझबूझ दिखाई — पहली बार ड्रोन की मदद ली और सिर्फ 45 मिनट में उस बच्ची

को भीड़भाड़ वाली मार्केट से ढूंढ़ निकाला। जब चार पुलिसकर्मी उस जगह पहुँचे और बच्ची ने अपनी आंखों से खाकी वर्दी देखी, तो वह दौड़कर जाकर सीधे पुलिस की गोद में समा गई। यह सिर्फ एक खोज नहीं थी, यह एक माँ-बाप की दुनिया लौट आने जैसा था। परिवार की तलाश नाकाम रहने पर पुलिस से मदद ली गई

3 अप्रैल 2025 को उधना इलाके में रहने वाले परिवार की 8 वर्षीय बच्ची को पढ़ाई को लेकर माँ ने डांट दिया था। इसके बाद नाराज़ होकर बच्ची ने कहा, “मैं खेलने जा रही हूँ” और सुबह करीब 10:30 बजे घर से निकल गई। काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो माता-पिता ने खुद उसकी तलाश शुरू की। शाम के 8 बजे तक काफी खोजबीन के बावजूद बच्ची का कोई पता नहीं चला, जिससे माता-पिता घबरा गए और अंततः उधना पुलिस स्टेशन जाकर पुलिस से मदद मांगी।

पुलिस स्टेशन पहुँचे माता-पिता रोते हुए बस एक ही बात कह रहे थे कि उनकी बेटी घर से निकल गई है और अब तक नहीं मिली है। मामला गंभीर था, इसलिए पुलिस ने तुरंत पाँच टीमें बनाकर जाँच शुरू कर दी।

सूरत में पहली बार गुमशुदा बच्ची को ढूंढने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल भीड़भाड़ और संकरी गलियों को देखते हुए पुलिस ने ड्रोन उड़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। यह सूरत पुलिस के लिए पहली बार था, जब किसी गुमशुदा व्यक्ति को ढूंढने के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

लगभग 45 मिनट के भीतर, ड्रोन की मदद से रात करीब 10 बजे बच्ची को तलाश लिया गया। सिर्फ कुछ ही मिनटों में चमत्कार जैसा कुछ हो गया ड्रोन की विज़न में सब्ज़ी मंडी की भीड़ में एक छोटी बच्ची दिखाई दी। वही कपड़े... वही उम्र... ड्रोन के कैमरे ने तुरंत ज़ूम कर बच्ची को फोकस किया। उस वक्त उधना पुलिस इंस्पेक्टर एस. एन. देसाई ने कहा, “हाँ... बच्ची मिल गई।”इतना सुनते ही ड्रोन से बताए गए स्थान पर चार पुलिसकर्मी तुरंत पहुंचे। वहां उन्हें एक डरी-सहमी और भटकी हुई बच्ची नजर आई। जैसे-जैसे पुलिस उसकी तरफ बढ़ी, बच्ची को लगा कि कोई अपना मिल गया है।

पुलिस ने माता-पिता को भी कड़े शब्दों में फटकार लगाई पुलिस इंस्पेक्टर एस.एन. देसाई ने माता-पिता से कहा कि ”बच्ची का बार-बार इस तरह से लापता होना चिंता का विषय है। माता-पिता के तौर पर आपको और अधिक सतर्क रहने की ज़रूरत है। अगर दोबारा ऐसा हुआ, तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।”

अंकलेश्वर GIDC में फिर आग की घटना

GL इंडिया कंपनी में लगी आग से दो कंपनियों के प्लांट में करोड़ों का नुकसान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अंकलेश्वर GIDC में एक बार फिर आग की घटना सामने आई है। तरु इंडिया कंपनी में अचानक आग लग गई, जिससे पास की दो कंपनियों के प्लांट भी इसकी चपेट में आ गए। इस भीषण आग के चलते करोड़ों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

अंकलेश्वर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित GL इंडिया केमिकल कंपनी में दोपहर अचानक आग लग गई। रासायनिक प्रक्रिया के दौरान आग भड़क उठी, जिससे पूरे परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया।

आग ने देखते ही देखते भयावह रूप धारण कर लिया। धुएं के गुबार दूर-दूर तक दिखाई दे रहे थे। एशिया की सबसे बड़ी औद्योगिक नगरी अंकलेश्वर में इस घटना के कारण चिंता का माहौल बन गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही अंकलेश्वर DPMC के फायर फाइटर तत्काल मौके पर पहुंच गए। 10 फायर फाइटरों की टीम द्वारा आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। आग और अधिक न फैले, इसके लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है।

पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया था। कंपनी के पास के मार्ग को घेराबंदी (कॉर्डन) कर दिया गया था और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस द्वारा कड़ा बंदोबस्त किया गया था। बताया जा रहा है कि यह आग विद्युत ट्रांसफॉर्मर फटने के कारण लगी थी। सॉल्वेंट की बड़ी मात्रा मौजूद होने के कारण आग ने भयावह रूप ले लिया, जिससे दो कंपनियों के प्लांट में करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि, इस आग की घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

300 रुपये को लेकर दोस्त की हत्या के प्रयास 20 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

अमरोली इलाके में छिपकर रह रहा था।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कापोद्रा पुलिस स्टेशन में वर्ष 2005 में दर्ज एक हत्या के प्रयास के 20 साल पुराने मामले के मुख्य आरोपी मितु डंडपानी उर्फ डंडिया नाहक (प्रधान) को आखिरकार क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है।

एक ऐसा आरोपी जो पिछले 20 वर्षों से फरार था, आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। उसने महज 300 रुपये की उधारी को लेकर अपने दोस्त की हत्या करने की कोशिश की थी। घटना के बाद से वह लगातार फरार था और सूरत के अमरोली इलाके में छिपकर रह रहा था। पुलिस ने उसे गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।

आरोपी अमरोली इलाके में छिपकर रह रहा था, और पुलिस को उसे पकड़ने में लगभग दो दशक का समय लग गया।

मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2005 में मितु ने अपने नजदीकी दोस्त बुल्लु बाउ शाहू को 300 रुपये उधार दिए थे। लेकिन जब मितु ने पैसे वापस मांगे, तो बुल्लु ने न सिर्फ पैसे

लौटाने से इनकार कर दिया, बल्कि उसे अपशब्द भी कहे। इसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद बाद में एक खूनी घटना में बदल गया।

इस रंजिश के चलते मितु ने अपने दो साथियों भरत गोला प्रधान और रामा हरी प्रधान के साथ मिलकर बुल्लु शाहू पर जानलेवा हमला किया था। आरोपियों ने पहले बुल्लु शाहू के हाथ पकड़कर उसे रोके रखा और फिर भरत गोला प्रधान ने चाकू से उसके गले पर वार किया।

बुल्लु शाहू गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा, और उसी समय तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

इस मामले में कापोद्रा पुलिस स्टेशन ने IPC की धारा 326 (जानलेवा हमला), 504 (जानबूझकर अपमान करना), 507(2) (चोट पहुँचाने की धमकी) और 114 (साझा रूप से अपराध करना) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की थी। तब से सभी आरोपी फरार थे और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई थी।

मितु डंडिया नाहक मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले के कोडला गांव का रहने वाला है, लेकिन वह पिछले कई वर्षों से सूरत के अमरोली इलाके में अंजनी इंडस्ट्रियल एस्टेट, सेक्टर-3 की एक होटल के रूम नंबर-15 में छिपकर रह रहा था।

आरोपी मजदूरी का काम करके अपना जीवन यापन कर रहा था। अंततः क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर कापोद्रा पुलिस के हवाले कर दिया है।

आदर्श निवासी कन्या स्कूल में 14 वर्षीय छात्रा यश्वी वसावा की संदिग्ध हालात में मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उमरपाड़ा स्थित आदर्श निवासी कन्या स्कूल में 14 वर्षीय छात्रा यश्वी वसावा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। बीती रात (3 अप्रैल, 2025) सिरदर्द की दवा लेने के बाद सुबह 4 बजे छात्रा बेहोशी की हालत में बाथरूम के पास मिली थी। जब वह होश में नहीं आई, तो उसे सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी जैसे ही हॉस्टल की वॉर्डन ने परिवार को दी, वे तुरंत मौके पर पहुंच गए। छात्रा के शरीर पर चोट के निशान पाए जाने के कारण परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल सूरत सिविल अस्पताल में फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। छात्रा की मौत का असली कारण रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के उमरपाड़ा स्थित आदर्श निवासी कन्या स्कूल में 14 वर्षीय यश्वी अश्विनभाई वसावा 9वीं कक्षा में पढ़ती थी और वहीं हॉस्टल में रह रही थी। यश्वी के परिवार में माता-पिता, एक भाई और एक बहन हैं। 3 अप्रैल की रात को उसे सिर में दर्द होने की शिकायत हुई, जिसके बाद हॉस्टल की ओर से उसे दवा दी गई और उसने वह दवा ले ली। साथ ही हॉस्टल के संचालकों को भी इस बारे में सूचना दे दी गई।

थी, तब वह बाथरूम के पास बेहोशी की हालत में मिली। इसके बाद तुरंत उसके परिवार को सूचना दी गई। उसकी मां और चाचा बाइक पर हॉस्टल पहुंचे। फिर यश्वी को बेहोशी की हालत में ही बाइक पर उमरपाड़ा सरकारी अस्पताल ले जाया गया।